प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-3 | अंक-334 | मथुरा, बुधवार, 28 जनवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

बालिका संरक्षण गृह से भागी पांच किशोरियों का मामला

दिल्ली की मास्टर माइंड किशोरी का नहीं लग रहा सुराग

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित राजकीय बाल संरक्षण केंद्र से भाग कर गई पांच किशोरियों में से चार को पुलिस ने बरामद कर लिया है। दिल्ली की भागने वाली मास्टर माइंड किशोरी का अभी तक पुलिस को पता नहीं लग सका है। पुलिस टीम उसे बरामद करने के लिए कार्रवाई कर रही है। वृंदावन के चैतन्य विहार इलाके में स्थित राजकीय बालिका संरक्षण केंद्र से पांच किशोरियां कंबल ओढ़कर रात में वहां से भाग गई थी।

इस घटना से प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ था। पुलिस टीमों ने सबसे पहले अलीगढ़ की रहने वाली लड़की को उसके घर से बरामद किया था। उससे मिली

मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी पुलिस टीमें

जानकारी के आधार पर पुलिस ने तीन अन्य किशोरियों को बरामद कर लिया। इसके बाद भी दिल्ली की रहने वाली किशोरी को पुलिस अभी तक बरामद नहीं कर सकी है।

पुलिस की टीम उसे बरामद करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। भागने वाली लड़कियों ने बताया कि उससे तो जाहिर होता है कि लड़कियों की भागने की वजह कोई खास नहीं है। भागने की योजना की मास्टर माइंड दिल्ली की किशोरी को ही बताया जा रहा है। उसने ही इन लड़कियों को भागने की योजना में शामिल किया था।

कई बार भाग चुके हैं किशोर संप्रेक्षण गृह और बैरिक से

यूनिक समय, मथुरा। किशोर बाल संप्रेक्षण गृह से तो अब तक कई बार किशोर भाग चुके हैं। हालांकि सभी भागने वाले किशोरों को पुलिस ने बरामद कर लिया था। कई साल पहले जब द्वारिकापुरी (कंकाली) पर बाल संप्रेक्षण गृह था। वहां से वार्डन को बांध कर होमगार्ड को मारपीट कर आठ बाल अपचारी भाग चुके हैं। हालांकि पुलिस ने सभी को बरामद कर लिया था। इसके बाद सिविल लाइन स्थित संप्रेक्षण गृह से भी दो बार किशोर मौके का फायदा उठाकर भाग निकले थे।

पुलिस ने भागने वाले सभी बाल अपचारियों को पकड़ लिया था। किशोर बैरिक से भी पांच किशोर वहां की दीवार फांद कर भाग चुके हैं। इस मामले में भागे किशोरों को बरामद कर लिया था।

नारी निकेतन से भी भाग चुकी हैं कई संवासनी

यूनिक समय, मथुरा। नारी निकेतन जब कुशक गली के समीप था। उस समय भी नारी निकेतन से पांच महिलाएं भाग चुकी हैं। नारी निकेतन में सुरक्षा के बावजूद वहां से भी उस समय पांच संवासनी भाग निकली थी। सभी शहर से होकर बड़े इत्मीनान के साथ भागने में कामयाब हुई थी। हालांकि पुलिस ने भागी संवासनियों को काफी प्रयास के बाद बरामद कर लिया था।

भागने वालों को फिर वहीं आना पड़ता जहां से भागे थे

यूनिक समय, मथुरा। बाल संप्रेक्षण गृह हो अथवा किशोर बैरिक हो नारी निकेतन यहां से भागने वाले भाग कर अपने को भले ही आजाद महसूस करते हों, लेकिन भागने के बाद उनके सिर पर पकड़े जाने की लटकी तलवार उनका पूरी सकून छीन लेती है। देर सवेर पुलिस उनका पता लगा कर फिर उन्हें वहीं पहुंचा देती है जहां से वह भागे थे। यही वजह है कि कोई भी भागने वाला पुलिस की पकड़ से बच नहीं पाया है।

बारामती में दर्दनाक विमान हादसा

उपमुख्यमंत्री अजीत पवार समेत पांच की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बारामती में बुधवार सुबह एक दिल दहला देने वाला विमान हादसा हुआ, जिसमें राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की जान चली गई। यह निजी विमान सुबह 8:10 बजे सकाली से रवाना हुआ था और करीब 45 मिनट की उड़ान के बाद 8:50 बजे बारामती हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई।

इस विमान को कैप्टन सुमित कपूर और कैप्टन शांभवी पाठक उड़ा रहे थे। कैप्टन सुमित कपूर पायलट—इन—कमांड थे और उन्हें बिजनेस जेट उड़ाने का लंबा

बारामती विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोरा

अनुभव था, जबकि कैप्टन शांभवी पाठक फर्स्ट ऑफिसर के रूप में तैनात थीं। हादसे में फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली और अजित पवार के पीएसओ विदीप जाधव की भी मौत हो गई।हादसे की सूचना मिलते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया।

वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौके पर पहुंचे। डीजीसीए ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

अवैध शराब सहित तीन युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। पुलिस ने कोतवाली क्षेत्र में अलग—अलग स्थानों से तीन लोगों को गिरफ्तार कर देशी शराब के 55 पव्वे बरामद किए हैं। हरनौल मोड़ पुलिस चौकी प्रभारी सोहन पाल सिंह ने यमुना एक्सप्रेसवे अंडरपास पुल टैंटीगांव के समीप से एक युवक को पकड़ लिया।

युवक ने पूछताछ में अपना नाम राकेश निवासी गांव लक्ष्मणपुरा बताया है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 18 पव्वा देशी शराब बरामद हुए। पब्बीपुर चौकी प्रभारी वीरेश जादौन ने

55 पव्वा देशी शराब हुई बरामद

गांव बृर्जी नगरिया मोड़ के समीप से एक युवक को 19 पव्वा देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त करण सिंह उर्फ पप्पू निवासी बृर्जी नगरिया है।

उपनिरीक्षक विनीत दांगी ने भी यमुना एक्सप्रेसवे लमतोरी के समीप से इरौली जुन्नारदार निवासी मनीष बताया है। पुलिस को उसके कब्जे से भी 18 पव्वा देशी शराब के बरामद हुई है।

चार दिनों के बाद आज बैंकों की शाखाएं खुलीं, उमड़ी भीड़

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। चार दिन के बाद आज सुबह जिले की सभी बैंक खुलीं तो लेन देन करने वाले ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कई बैंक की शाखाओं में ग्राहकों की लंबी लाइन लगी देखी गई। पिछले चार दिनों से क्लीयरलेंस के लिए पड़े चेकों का भुगतान खातों में पहुंचाया गया। जनवरी का अंतिम शनिवार, रविवार की छुट्टी, फिर सोमवार को गणतंत्र दिवस का अवकाश और मंगलवार को बैंककर्मियों की हड़ताल के कारण बैंक की शाखाएं बंद पड़ी थी। इन चार दिनों में कोई किसी प्रकार का लेन देन नहीं हो सकता। शुक्रवार को क्लीयरेंस के लिए डाले गए चेक भी फंस गए। अब इन चार दिनों में बड़े प्रतिष्ठान और व्यापारियों के पास लेन देन के आए पड़े चेक को आज बैंकों में जाकर लगाया गया। अनुमान बताया जा रहा है कि करीब पांच सौ करोड़ रुपये के आसपास का लेनदेन कल तक क्लीयर हो सकेगा। चार दिनों तक बैंकों की शाखाएं बंद होने से कई जगह के एटीएम भी खाली हो गए थे। लोगों ने यूपीआई के माध्यम से लेन देन किया। बाजार में भी विवाह की तैयारियों के लिए खरीद रहे सामान का भुगतान भी कई लोगों ने यूपीआई के माध्यम से किया।

सौंदर्यीकरण | वृंदावन के यमुना के घाट अब चमकेंगे

177.81 करोड़ रुपये की बनी है योजना

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के समीप से केशीघाट तक यमुना घाटों के कायाकल्प के लिए 10 वर्ष का लंबा इंतजार अब खत्म हुआ। सिंचाई विभाग और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने निरीक्षण किया। केशीघाट से लेकर बांकेबिहारी मंदिर की ओर 600 मीटर की लंबाई में आठ यमुना घाटों का विकास किया जाएगा। यमुना घाटों के विस्तार, नवीनीकरण और सुंदरीकरण की परियोजना की लागत 177. 81 करोड़ रुपये होगी। गौरतलब है कि

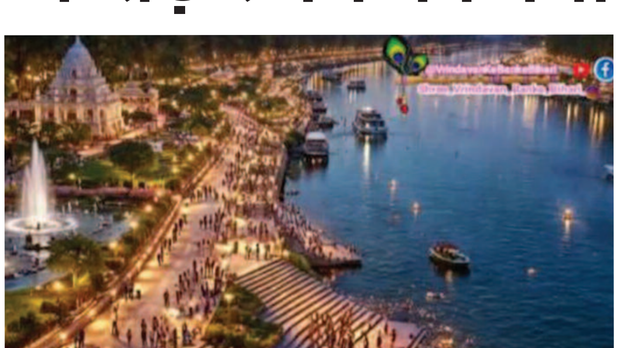

बांके बिहारी मंदिर से केशीघाट की ओर तक के यमुना घाटों की स्थिति सुधारने के लिए 2014 में वृंदावन में रिवर फ्रंट की कार्ययोजना बनाई थी। उस समय यमुना घाटों के आगे मिट्टी कटान रोकने और पानी को रोकने के लिए तीन—चार फीट ऊंची सीमेंटेड दीवार बनाई गई थी। अंडरग्राउंड पाइप डाले गए। इसी बीच वृंदावन के सामाजिक कार्यकर्ता मधुमंगल शुक्ला ने नालों के प्रदूषित जल के यमुना में प्रवाहित होने और रिवर फ्रंट कार्ययोजना में इसका कोई प्रबंध न किए जाने का तर्क देते हुए 2016 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। तब से इस परियोजना पर रोक थी।

बाद में जल निगम की ओर से नालों की टैपिंग कराई गई। मथुरा—वृंदावन में कुल 23 नाले टैप होने थे, इनमें से 19 नाले टैप हो चुके हैं, जबकि शेष नालों को टैप किए जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

बांके बिहारी मंदिर के दरवाजे पर लगी चांदी गायब होने का वीडियो वायरल

बांके बिहारी मंदिर के दरवाजे से उखड़ा हिस्सा। चर्चा है कि यहां चांदी की परत गायब हुई है।

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के चौखट समेत कई जगह पर चांदी की परत लगाई गई थी, वह अब बढ़ती कीमतों के कारण गायब होने लगी है। ऐसे गायब हिस्से का वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि किसी ने चांदी की परत को गायब किया है या चुराया है। हालांकि बांके बिहारी मंदिर हाई पावर्ड कमेटी के सदस्य दिनेश गोस्वामी ने कहा है कि मंदिर से कोई चांदी चोरी नहीं हुई है।

फरवरी की शुरुआत में बारिश की संभावना

बादलों की चादर और ठंडी बयार से बदला मौसम

बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजमार्ग पर छाए कोहरा के बीच लाइट जलाकर निकलते वाहन।

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/ फरह। एक दिन पहले हुई बूंदाबांदी के बाद दूसरे दिन बुधवार को मौसम का रुख मिला-जुला रहा। सुबह आबादी के बाहर कोहरा और धुंध छाई रही, जबकि दिन भर आसमान पर बादल जमे रहे। बयार भी मौसम को खुशगवार बनाती रही। सुबह-सुबह लोग जाग कर सैर को निकले तो घना कोहरा देखकर हैरान रह गए। धीरे-धीरे सुबह निकली तो कोहरा भी काम होता चला गया, लेकिन यह मौसम पूरी तरह से साफ नहीं हुआ। आसमान पर जमे बादल धूप की राह में अंड़गा डालकर बैठ गए। कुछ पल के लिए सूरज ने चमक दिखलाई, लेकिन यह ज्यादा देर तक कायम नहीं रह सकी। आसमान पर बादलों का डेरा होने से धूप शाम तक नहीं निकली। वहीं, दोपहर में मध्यम गति से चली बयार मौसम को खुशगवार बनाती रही। बयार की वजह से राहें पर हो गई कीचड़ भी सूखती रही तो मौसम भी सुहाना होता रहा। मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। पांच फरवरी तक जारी किए गए पूर्वानुमान में एक और दो फरवरी को आसमान पर बादल छाए रहने के साथ वर्षा होने की संभावना जताई है। इस दौरान आकाशीय गरज चमक भी हो सकती है। मौसम विज्ञान नरेंद्र कुमार के अनुसार ऐसे मौसम की वजह से अभी लोगों को सर्दी का एहसास बना रहेगा।

खेती को अमृत दे गई मावट की वर्षा

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/ फरह। मावट की वर्षा से किसानों की जेब संवार गई तो फसल को अमृत भी दे गई। माघ महीने में हुई इस वर्षा से गेहूं और सरसों की फसल खिलखिला उठी तो आलू भी संवर गया। मंगलवार को सुबह से रात तक कई बार हल्की और तेज वर्षा हुई। माह महीने में होने वाली इस वर्षा को किसान मावट के नाम से पुकारते हैं। दिन से रात तक कई बार हुई इस वर्षा से फसलों को अमृत मिला। वर्षा की वजह से खेतों में लहलहाती फसलें चमक उठीं। वर्षा की वजह से सरसों का तो सौंदर्य दमक उठा, जबकि गेहूं और आलू को भी अच्छा पानी मिलने से किसानों की जेब पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी बच गया। गांव बेरी के किसान रामनरेश सिंह ने बताया कि मावट की इस वर्षा से खेती की बल्ले-बल्ले हुई है। कैसा भी कोई नुकसान

वर्षा के बाद खेतों में खड़ी गेहूं की फसल।

नहीं है। अब बयार तेज नहीं चली तो फसल के मजे ही मजे हैं। गांव दीनदयाल धाम के किसान विजय पाठक का कहना है कि माघ महीने की यह वर्षा फसलों के लिए अमृत बनकर आई थी। पानी मिलने से किसानों को काफी आर्थिक लाभ हुआ है। गांव शाहजहांपुर के किसान अनिल कुमार

फसल को पानी मिलने से किसानों को हुआ आर्थिक लाभ

ने बताया कि वर्षा ने खेतों को संजीवनी दी है। इससे किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं है।

तापमान / मौसम

19 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

9 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,74,000

22 कैरेट 1,60,080

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

3,80,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

यूजीसी के विरोध में ब्राह्मण संगठनों की बैठक

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा व गौतम ब्राह्मण महासभा की संयुक्त बैठक यूजीसी के नए कानून के विरोध में जनरल गंज स्थित बड़ा बिहारी दास के प्रांगण में आयोजित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद कौशिक ने कहा कि यूजीसी का नया कानून सवर्ण समाज के बच्चों के खिलाफ है। उन्होंने इसे साजिश बताते हुए कहा कि यह कानून एक विशेष समाज के बच्चों के भविष्य को नुकसान पहुंचाने वाला है। सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि 13 जनवरी के बाद लागू हुए इस कानून से पूरे देश में चिंता का माहौल है। उन्होंने कहा कि पहले भी सरकार ने किसानों के लिए काला कानून बनाया था, जिसका देशभर में विरोध हुआ और अंत में सरकार को कानून वापस लेना पड़ा था। गौतम ब्राह्मण महासभा के जिला मंत्री धर्मदत्त गौतम ने कहा कि यह कानून देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि यूजीसी का मतलब अब उल्टी गिनती की शुरुआत बन गया है। पूर्व सीडीओ आर.एस. गौतम ने कहा कि सरकार को यह कानून बनाने से पहले जनता की राय लेनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि बिना सलाह के बनाए गए कानून देश के लिए नुकसानदायक होते हैं। उपाध्यक्ष रामकृष्ण गौतम ने कहा कि जब यह बिल पास हो रहा था, तब समाज के प्रतिनिधियों ने इसका विरोध क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह कानून आगे चलकर बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है। बैठक में कुशल पाल शर्मा, पन्नालाल गौतम, तिलक शर्मा, के. के. गौतम, देवेंद्र शर्मा, नरेंद्र कृष्ण गौतम, सीताराम पाठक, राजकुमार शर्मा, राज नारायण शर्मा, भगवती प्रधान, रमेश चंद, अशोक कुमार एवं हरिओम गौतम आदि उपस्थित थे।

केंद्र सरकार के खिलाफ मथुरा में प्रदर्शन

यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन करते क्षत्रिय राजपूत सभा के कार्यकर्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। क्षत्रिय राजपूत सभा के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मुकेश सिंह सिकरवार के नेतृत्व में कार्यकर्ता व सवर्ण समाज के लोगों ने महाराणा प्रताप भवन देवीपुरा बाजना बाटी रोड पर यूजीसी जैसे काले कानून के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। सरकार इस काले कानून को वापस लेने की अपील की। अन्यथा यह विरोध प्रदर्शन आंदोलन विकराल रूप धारण करेंगे और सरकार को घुटनों पर लाएंगे। भारी पुलिस बल प्रदर्शन को रोकने लिए पहुँचा। इसमें सीओ रिफाइनरी, एस ओ हाईवे थाना, चौकी इंचार्ज सतोहा, चौकी इंचार्ज आजमपुर व टीम मौजूद थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनरल वर्ग पर पहले से एक काला कानून एस सी एस टी एक्ट, थोपा हुआ है। इसमें जनरल वर्ग के ना जाने कितने ही बेगुनाह लोगों का जीवन बर्बाद हो चुका है कितने लोग बेगुनाह होते हुए भी जेल गए हैं। इस मौके पर जगवीर फौजी, बलवीर प्रधान ओमप्रकाश सिसोदिया, मनोज ठाकुर, कन्हैया सिंह, पिंकू पंडित, कृष्ण अग्रवाल, डॉ.वीरेंद्र पांडेय, गिरधर गौतम, ठाकुर संजय सिंह प्रधान बेरी तथा विष्णु गुर्जर आदि मौजूद थे।

जगतगुरु शंकराचार्य से दुर्व्यवहार की निंदा

पत्रकारों से बात करते अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा व माथुर चतुर्वेद परिषद के पदाधिकारी।

अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा व माथुर चतुर्वेद परिषद ने विरोध जताया

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जगतगुरु शंकराचार्य के साथ कथित रूप से हुए दुर्व्यवहार को लेकर अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा एवं माथुर चतुर्वेद परिषद ने कड़ा विरोध जताया है। इस संबंध में दोनों संस्थाओं की आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। श्री पाठक ने कहा कि शंकराचार्य के साथ जो व्यवहार किया गया, वह एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। उन्होंने इसे सनातन धर्म का अनादर बताते हुए योगी सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए और मांग की कि सरकार शंकराचार्य से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने बताया कि दोनों संस्थाओं की ओर से शीघ्र ही शंकराचार्य के समर्थन में एक पत्र जारी किया जाएगा। साथ ही पूरे प्रकरण की जांच के लिए माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट एवं अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासभा के मंत्री संजय चतुर्वेदी 29 जनवरी को शिवपुरी, इलाहाबाद जाकर शंकराचार्य से मुलाकात करेंगे। मुख्य संरक्षक ने यह भी कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शंकराचार्य माघ मेले में बिना स्नान किए ही वापस लौट गए, जो इतिहास में पहली बार हुआ है। इसके लिए भी राज्य सरकार दोषी है। इस अवसर पर गिरधारी लाल पाठक, नवीन नागर, लाला पहलवान, शिवकुमार चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी, अनिल पमपम, नीरज चतुर्वेदी, संजय मंत्री, राजन पाठक, रितेश पाठक, स्वतंत्र चतुर्वेदी, चंद्रभान शर्मा, पिंटू, गुड्डू महावन आदि उपस्थित थे। संचालन माथुर चतुर्वेद परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने किया।

फेस रिकॉग्निशन से ही मिलेगा पोषाहार

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार वितरण की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत सभी लाभार्थियों को पोषण ट्रैकर एप पर ई-केवाईसी और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) पूरा कराना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना फेस रिकॉग्निशन के किसी भी लाभार्थी को पोषाहार नहीं दिया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी बुद्धि मिश्रा ने बताया कि जिन लाभार्थियों का चेहरा पहले से पोषण ट्रैकर ऐप में दर्ज है, उन्हें अब हर माह स्वयं आंगनबाड़ी केंद्र पर आकर ही राशन लेना होगा। केंद्र पर पहुंचने के बाद लाभार्थी के चेहरे का मिलान किया जाएगा और फेस मैच होने पर ही पोषाहार दिया जाएगा। अब लाभार्थी की जगह परिवार का कोई अन्य सदस्य, जैसे पति, सास या कोई और व्यक्ति, राशन नहीं ले सकेगा। उन्होंने बताया कि फील्ड स्तर पर

बुद्धि मिश्रा

नई व्यवस्था लागू होने के बाद कुछ तकनीकी समस्याएं सामने आ रही हैं। कई बार लाभार्थी के उपस्थित रहने के बावजूद तकनीकी कारणों से फेस मैच नहीं हो पाता है। ऐसे मामलों में दोबारा प्रयास करकर लाभार्थी को पोषाहार दिया जा सकता है। यदि इसके बाद भी समस्या बनी रहती है, तो आंगनबाड़ी कार्यकत्री को तत्काल संबंधित बाल विकास परियोजना अधिकारी को इसकी जानकारी देनी होगी, ताकि समस्या का समाधान कराया जा सके।

लाभार्थियों को स्वयं आंगनबाड़ी केंद्रों पर आना होगा

बिना चेहरे के मिलान के राशन नहीं दिया जाएगा

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिन लाभार्थियों को फेस रिकॉग्निशन न होने के कारण पोषाहार नहीं मिल पाता है, उनका पूरा विवरण स्टॉक पंजिका में स्पष्ट रूप से दर्ज किया जाएगा। इस रिकॉर्ड का सत्यापन समय-समय पर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। यदि शासन के निर्देशों का पालन नहीं किया जाता है, तो संबंधित आंगनबाड़ी कार्यकत्री के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बाल विकास परियोजना अधिकारी और मुख्य सेविका की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि पोषाहार केवल वास्तविक और पात्र लाभार्थियों को ही मिल सके और किसी प्रकार का दुरुपयोग न हो। पहले कई ऐसे मामले सामने आए थे, जिनमें लाभार्थी गांव में पंजीकृत तो थे, लेकिन वे शहर में रहते थे और किसी अन्य व्यक्ति को राशन लेने भेज देते थे। नई व्यवस्था लागू होने के बाद अब ऐसा संभव नहीं होगा।

अब हर लाभार्थी को उसी माह पोषाहार मिलेगा, जिस माह वह स्वयं केंद्र पर उपस्थित होगा। यदि कोई लाभार्थी लगातार दो या तीन माह तक आंगनबाड़ी केंद्र पर नहीं आता है या गांव में निवास नहीं करता है, तो उसका नाम धीरे-धीरे हटा दिया जाएगा। शुरू में कुछ दिक्कतें आ रही हैं, लेकिन आने वाले समय में यह नियम बिल्कुल ठीक हो जाएगा।

माघ पूर्णिमा पर राधारानी पदयात्रा 1 फरवरी को

यूनिक समय, राया (मथुरा)। श्री राधारानी सेवा समिति के तत्वावधान में माघ पूर्णिमा पर 120 वी मासिक पदयात्रा का आयोजन एक फरवरी रविवार को किया जायेगा। समिति के पवन गोयल ने बताया कि पदयात्रा रेतिया बाजार ठाकुर राधागोपाल जी मंदिर से प्रातः 06 बजे हरिनाम संकीर्तन के साथ मांट खादर मानसरोवर धाम राधारानी मंदिर पहुंचेगी। पूजा अर्चना के बाद प्रसाद वितरित किया जायेगा। समिति के मुकेश अग्रवाल सुनील कुमार ने क्षेत्रीय लोगों से पदयात्रा में शामिल होने की अपील की है।

सवारियां बैठाने को लेकर रोडवेज बस अड्डे पर संघर्ष

प्राइवेट बस के संचालक सहित कई ने चार परिचालकों को पीटा

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन रोडवेज बस अड्डे पर आज प्रातः ई–बस से सवारियां उतारकर बिठाने के मामले में एक प्राइवेट बस के संचालकों सहित कई लोगों ने ई–बस के परिचालक के साथ मारपीट की। बीच बचाव में आए कई अन्य चालक और परिचालकों को भी लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया। इसके बाद बस चालकों ने बसों का पहिया जाम कर दिया।

वृंदावन कोतवाली में हमलावरों के खिलाफ तहरीर दी गई है। वृंदावन बस स्टैंड पर ई– बस का कंडक्टर चौमुंहा निवासी प्रशांत बस में सवारियां बिठा रहा था। आरोप है कि इस बीच बस अड्डे के सामने ज्योति टूर एंड ट्रैवल्स के मालिक हैप्पी अपने कुछ साथियों के साथ लाठी डंडे लेकर आया। इन लोगों ने बस में बैठी सवारियों को उतारकर अपनी बस में बिठाना शुरू कर दिया। प्रशांत ने इन लोगों को सवारियों को इस तरह से उतारने का विरोध किया। इस पर इन लोगों ने प्रशांत के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट और शोर होते देख वहां मौजूद परिचालक विनोद, प्रदीप आदि बचाने पहुंचे तो हमलावरों ने इन लोगों के साथ भी मारपीट की। हमलावरों द्वारा की गई मारपीट में परिचालक विनोद और प्रशांत की टिकट काटने वाली मशीन भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद चालक और परिचालकों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए चालक और परिचालकों ने घटना के विरोध में ई–बसों का चक्का जाम कर दिया। घायल परिचालक कोतवाली वृंदावन पहुंचे और हमलावरों के खिलाफ तहरीर देकर उनकी गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ई–बसों का संचालन ठप्प कर कर्मचारियों ने जताया विरोध

ई–बसों का संचालन ठप्प कर कर्मचारियों ने जताया विरोध

यात्रियों को ई–बस न चलने से हुई भारी परेशानी

यूनिक समय, मथुरा। रोडवेज बस अड्डे पर ई–बस के परिचालकों के साथ ज्योति टूर एंड ट्रैवल्स के मालिक द्वारा अपने साथियों के साथ की गई मारपीट के बाद ई–बसों के चालक और परिचालकों ने बसों का चक्का जाम कर दिया। ई–बसों के न चलने से बड़ी संख्या में इनसे यात्रा करने वाले यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा।

जैंत फ्लाईओवर ब्रिज को पुलिस का नहीं मिल रहा सहयोग

संवाददाता

यूनिक समय, जैंत (मथुरा)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटनाओं के आंकड़े मथुरा पुलिस के गोपनीय दस्तावेज हैं? यह सुनने में जरूर अटपटा लग रहा होगा। परंतु मथुरा पुलिस तो यही कहती है। जिला पंचायत के पूर्व सदस्य ठाकुर हुकम सिंह ने बताया है कि उत्तर प्रदेश के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम जैंत में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज के लिए संघर्षरत सामाजिक कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश बृजवासी ने सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत ग्राम पंचायत जैंत की सीमा में सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी मांगी तो थाना जैंत पुलिस ने सड़क दुर्घटना के आंकड़ों को हाजा थाना के गोपनीय अभिलेख बताते हुए साफ इंकार कर दिया। जबकि आरटीआई एक्ट की धारा 8 (1) (जी) में स्पष्ट कहा गया है दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों की निजता की रक्षा के लिए पहचान को छिपाते हुए सांख्यिकी आंकड़ों को सार्वजनिक किया जा सकता है। इसीलिए जैंत पुलिस को आरटीआई एक्ट का प्रशिक्षण दिलवाया जाना बहुत जरूरी है। उल्लेखनीय है कि फ्लाईओवर ब्रिज की मांग को लेकर पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता चंद्र प्रकाश बृजवासी ने 15 अगस्त 2025 को आत्मदाह करने का ऐलान किया था, परंतु सांसद हेमा मालिनी एवं पत्रकार प्रकाश सिंह ने उनका ब्रेनवाश करके मना लिया था। एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज के लिए गांधीवादी तरीके से संघर्ष अनवरत जारी है। गत दस अगस्त को जय कुंड के सामने स्थित पोला वाली बगीची में आयोजित पंचायत में थानाध्यक्ष उमेश चन्द्र त्रिपाठी ने एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज के लिए हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया था। अब सहयोग की आवश्यकता पड़ी तो थाना जैंत की अनंतम पुलिस चौकी प्रभारी दुष्यंत कौशिक ने रोड एक्सीडेंट के सांख्यिकी आंकड़ों को थाना हाजा के गोपनीय अभिलेख बता दिया।

एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज के लिए गांधीवादी तरीके से संघर्ष जारी

नगर निगम ने कई बड़े बकायेदारों पर शिकंजा कसा

नगर निगम के बकाया का चेक एक अधिकारी को देता एक भवन स्वामी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त जगप्रवेश के आदेशानुपालन में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार की अगुवाई में नगर निगम के भूतेश्वर जोन के सम्पत्ति कर के बड़े बकायेदारों से गृहकर/जलकर की वसूली हेतु कुर्की/सीलिंग की कार्यवाही की गयी। कार्यवाही में सौंख रोड स्थित मानचित्र संख्या दो पीआरसी 157 भवन स्वामी सतीशचंद अग्रवाल 95,671/– रुपये, मानचित्र संख्या एमएचएन247 भवन स्वामी धर्मेन्द्र आदि पर 95,358/– रुपये, मानचित्र संख्या एमएचएन 251 भवन स्वामी श्रीमती कैला देवी पर 1,81,554/– एवं मानचित्र संख्या पीडीपी 88 भवन स्वामी गिरधरलाल परमानन्द आदि पर 1,13,906/– रुपये बकाया चल रहा था। सीलिंग/कुर्की की कार्यवाही से बचने के लिये मानचित्र संख्या टूपीआरसी 157 के भवन स्वामी ने 45,000/– मानचित्र संख्या एमएचएन 247 के भवन स्वामी ने 40,000/– एवं एमएचएन 251 के भवन स्वामी ने 1,50,000/– का चैक प्राप्त कराते हुए अवशेष धनराशि शीघ्र ही नगर निगम कोष में जमा कराये जाने के लिए आश्वासन दिया। इसके अतिरिक्त मानचित्र संख्या पीडीपी 88 के भवन स्वामी ने 29 जनवरी को अपना भुगतान किये जाने के लिये कहा गया। साथ ही कार्यवाही के दौरान मानचित्र संख्या एसओआर 48 के भवन स्वामी ने अपने भवन की बकाया धनराशि 1,02,071/– को नकद जमा कराया गया। कार्यवाही के दौरान मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेन्द्र सिंह यादव, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद कुमार यादव के साथ सम्बन्धित क्षेत्र के कर संग्राहक व नगर निगम की प्रवर्तन टीम एवं क्षेत्रीय पुलिस बल उपस्थित था।

राधा दामोदर लाल का धूमधाम से मनाया 484 वां प्राकट्योत्सव

राधा दामोदर लाल का अभिषेक करते सेवायत।

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में ठाकुर राधा दामोदर लाल का 484 वां प्राकट्य महोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिर के सेवायतों ने ठाकुर राधा दामोदर के उत्सव के विग्रहों का विधि विधान के साथ मंत्रोच्चारण के साथ पंचामृत कर महाभिषेक किया गया। मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज,आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी महाराज ने बताया कि आज सप्त देवालयों में से प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर लाल का 484 वां प्राकट्य महोत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से ही मंदिर में प्राकट्य महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया है। जिसमें दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से श्रीविग्रहों का महाभिषेक किया गया है। वहीं महाभिषेक के पश्चात मंदिर परिसर में बधाई गायन और भक्तों के बीच बढ़ाई लुटाई गई।

मंदिर के सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी महाराज ने बताया कि प्राकट्य महोत्सव के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में अनेकों धार्मिक आयोजन आयोजित किए गए हैं।

मल्टी लेवल कार पार्किंग का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

दारूक पार्किंग के पीछे निर्मित मल्टी लेवल कार पार्किंग का निरीक्षण करते नगर आयुक्त जगप्रवेश एवं अपर नगर अयुक्त चंद्रप्रकाश पाठक।

शुरू कराने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश

निरीक्षण के दौरान भूमि के भावी उपयोग एवं विकास संभावनाओं के संबंध में विचार—विमर्श किया गया

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, वृंदावन। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक के साथ स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत वृंदावन क्षेत्र में स्थित दारूक पार्किंग के पीछे निर्मित मल्टी लेवल कार पार्किंग को सुचारू रूप से संचालित किए जाने के उद्देश्य से कार्य योजना तैयार करने को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया। नगर आयुक्त ने मल्टी लेवल कार पार्किंग के संचालन को आवश्यक कार्य योजना तैयार करने, यातायात सुविधा, पार्किंग व्यवस्था एवं अन्य बुनियादी व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को दिशा—निर्देश प्रदान किए। नगर आयुक्त जगप्रवेश ने वृंदावन क्षेत्र में मायावती हेलीपैड ट्रांसफर स्टेशन के पीछे स्थित नगर निगम की खाली भूमि का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भूमि के भावी उपयोग एवं विकास संभावनाओं के संबंध में विचार—विमर्श किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

मथुरा बार एसोसिएशन के नए पदाधिकारियों का सम्मान

वृंदावन में आयोजित स्वागत समारोह में मथुरा बार एसोसिएशन के नए पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन बाल विकास परिषद के तत्वावधान में मथुरा बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन रूकमणि विहार स्थित होटल में किया गया। अध्यक्षता स्थाई लोक अदालत की सदस्य प्रतिभा शर्मा ने की। वरिष्ठ अधिवक्ता सर्वेश कुमार शर्मा, पूर्व अध्यक्ष अजीत तेहरिया और प्रदीप शर्मा ने विचार व्यक्त किए। वृंदावन बाल विकास परिषद के चैयरमेन नवीन चौधरी एडवोकेट ने कहा कि मजबूत संगठन के रूप में हर जगह हम अधिवक्ताओं का संगठन पूरे देश में ज्यादा पहचाना जाता है। इससे अधिक अधिवक्ताओं के लिए सम्मान की बात क्या हो सकती है। इससे पहले मथुरा बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह, सचिव मनोज कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष विनोद शर्मा, उपाध्यक्ष रामकृष्ण भारद्वाज, संयुक्त सचिव सुरेंद्र शर्मा और ऑडिटर देवकीनंदन शर्मा को प्रशस्ति—पत्र पत्र देते शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। वही एक दर्जन वरिष्ठ अधिवक्ताओं का भी अभिनंदन हुआ। इस अवसर पर पुनीत शर्मा, ठाकुर हरि बल्ल्भ सिंह, अंकुर शर्मा, आनंद अग्रवाल आनु, आकाश शर्मा चिंकी, अभिषेक उदेनियां, अश्विनी शर्मा एडवोकेट, शाहरुख एडवोकेट, मयंक शर्मा एडवोकेट, गोपाल खण्डेलवाल एडवोकेट, अमित ठाकुर एडवोकेट, प्रियव्रत शर्मा, सुरेंद्र गौतम एडवोकेट, मदन मोहन पांडे एडवोकेट, भारत यादव तथा गजेंद्र यादव आदि उपस्थित थे।

रोजगार मेला 30 जनवरी को

यूनिक समय, मथुरा। जिला सेवायोजन कार्यालय एवं मॉडल कैरियर सेन्टर के संयुक्त तत्वावधान में 30 जनवरी को पूर्वाहन 11 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय निकट पागल बाबा मंदिर वृन्दावन रोड में एक दिवसीय निःशुल्क रोजगार मेला होगा। रोजगार मेले में प्रतिष्ठित कम्पनियां प्रतिभाग कर रही हैं। इसमें 100 से अधिक रिक्त पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। पदों के लिए शैक्षिक योग्यता 10 वीं पास, इण्टरमीडिएट, स्नातक, आईटीआई दक्षता वाले इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन पोर्टल पर अपना निःशुल्क ऑनलाइन पंजीयन कराकर 30 जनवरी तक कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी शैक्षिक प्रमाण—पत्रों, पासपोर्ट साइज फोटो एवं बायोडाटा (02 प्रतियां) सहित 11 बजे तक साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में वृंदावन में 30 को सभा

महामंडलेश्वर ने कहा सरकार का निर्णय हिंदू समाज को विखंडित कर देगा

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, वृंदावन। केंद्रीय सरकार द्वारा यूजीसी में किए जा रहे बदलाव के विरोध में श्री राधाकांत मंदिर में हुई बैठक में सभी वक्ताओं ने एक स्वर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अविलंब इन बदलावों को वापस लेते हुए हिंदुत्व के एकता पर बल दिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए महामंडलेश्वर राधा प्रसाद देव महाराज ने बताया कि 30 जनवरी को अटला चुंगी स्थित श्री राम मंदिर में सभा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरकार का यह निर्णय निश्चित रूप से हिंदू समाज को विखंडित कर देगा और यह विखंडन सनातनी समाज के ताने—बाने को छिन्न—भिन्न कर देगा। संत गोपेश बाबा, आचार्य बद्रीश तथा महंत मोहिनी शरण महाराज ने कहा की लाखों कार्यकर्ताओं की कुर्बानी के बाद आज भाजपा सत्ता में आई है और सत्ता में लाने में जिस वर्ग का सबसे विशेष योगदान रहा जिस वर्ग ने अपने खून पसीने से इस पार्टी को सींचा। आज उसी के राज में जिस प्रकार से सत्ता का दुरुपयोग किया जा रहा है। वह निश्चित रूप से उन कार्यकर्ताओं की आत्मा को कष्ट पहुंच रहा होगा। आचार्य मृदुल कांत शास्त्री तथा राष्ट्रीय ब्राह्मण सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद बल्लभ गोस्वामी ने कहा कि हमारी दृष्टि में न कोई स्वर्ण है न कोई पिछड़ा और कोई दलित। हम लोगों ने सदैव जो भी कार्यक्रम किए हैं वह सर्वजातीय और हिंदू समाज की एकता के लिए किए हैं। बैठक में डॉ. अभिषेक शर्मा, भागवत आचार्य राजू भैया, सुमंतकृष्ण शास्त्री, हरिहर मुदगुल, गोविंद खंडेलवाल, गोविंद नारायण शर्मा, पंडित भुवनेश मिश्रा, नीरज गौड़, तपेश पाठक, गौरव अग्रवाल, अमित शर्मा, तरुण मिश्रा, अंशुल पाराशर, सोनू वर्मा, गोपाल दास ब्रजमोहन मिश्रा, गोविंद मिश्रा तथा सुदामा तिवारी आदि उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस पर मैत्री क्रिकेट मैच, देहात मंडल ने शहरी मंडल को हराया

मैच जीतने के बाद ट्रॉफी लेते देहात टीम के कप्तान।

यूनिक समय, मथुरा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर मथुरा जोन के मुख्य अभियंता राजीव गर्ग के निर्देशन में शहरी विद्युत वितरण मंडल एवं देहात विद्युत वितरण मंडल की टीमों के बीच अलंकार स्टेडियम में मैत्री त्रिक्रेट मैच का आयोजन किया गया। रोमांचक मुकाबले में देहात विद्युत वितरण मंडल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शहरी मंडल की टीम को हराकर मैच अपने नाम किया।
टॉस जीतकर शहरी मंडल की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। शहरी टीम की ओर से एसडीओ पंकज शर्मा ने नाबाद 153 रन की बेहतरीन पारी खेली। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने 11 रन और एक्सईएन आशीष गुप्ता ने 20 रन का योगदान दिया। शहरी टीम ने निर्धारित ओवरों में चार विकेट के नुकसान पर 266 रन बनाए। देहात मंडल की ओर से एसडीओ सौरभ मिश्रा ने एक विकेट, एक्सईएन दीपक वर्मा (मांट) ने दो विकेट और ऋषभ शर्मा ने एक विकेट लिया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी देहात मंडल की टीम ने पांच विकेट खोकर 269 रन बनाते हुए जीत दर्ज की। देहात टीम की ओर से जेई उदित कुमार (छाता) ने शानदार 114 रन बनाए। एक्सईएन सचिन द्विवेदी ने नाबाद 45 रन, एक्सईएन आशुतोष तिवारी ने 10 रन और एसडीओ सौरभ मिश्रा ने 16 रन जोड़े। शहरी टीम की ओर से पंकज शर्मा, संदीप वर्मा, एसडीओ भूपेंद्र और राजकुमार अत्री ने एक—एक विकेट लिया। मैच के समापन पर मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने देहात मंडल के कप्तान सौरभ मिश्रा को ट्रॉफी प्रदान की। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार उदित कुमार को और बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार पंकज शर्मा को दिया गया। इस अवसर पर एसई एस.पी. पांडेय, एसई एस.के. सनोरिया, एक्सईएन गौरव कुमार, पंकज बघेल, मनीष बंसल सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

खेल महोत्सव में युवक—युवतियों ने दिखाया दम—खम

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मारक समिति के निदेशक सोनपाल। साथ हैं आयोजक रविंद्र सिंह तरकर आदि।

खेल संवाददाता
यूनिक समय, फरह (मथुरा)। क्षेत्र के गांव शहजादपुर में आयोजित ग्रामीण खेल महोत्सव में गांवों के युवक—युवतियों ने दम—खम दिखाया। कबड्डी में जोधपुर की टीम सिरमौर बनी, जबकि मिर्जापुर की टीम दूसरे स्थान पर रही। अन्य खेल प्रतियोगिता में भी खिलाड़ियों ने विपक्षी को परास्त कर अव्वल स्थान बनाया। ग्रामीण खेल महोत्सव में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में गांव जोधपुर की टीम ने जोरदार खेल दिखाकर फाइनल मुकाबला जीता, जबकि गांव मिर्जापुर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। गांव भदाया और शहजादपुर की टीम को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान मिला। उंची कूद में गोपाल प्रथम, प्रेमपाल द्वितीय और अमित तृतीय स्थान पर रहे, जबकि महिलाओं की उंची कूद में राधा प्रथम, राधिका द्वितीय और काजल तृतीय स्थान पर रहीं। बालकों की 400 मीटर दौड़ में कान्हा प्रथम, शिव द्वितीय और लोकेश तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में वंशिका प्रथम, संध्या द्वितीय, नंदिनी तृतीय स्थान पर रहीं। 400 मीटर 15 साल आयु वर्ग में रानी प्रथम, मोहिनी द्वितीय और राधा तृतीय स्थान पर रही, जबकि मोहित ने प्रथम स्थान हासिल किया। राहुल द्वितीय और योगेंद्र तृतीय स्थान पर रहे। महिलाओं की गोला फेंक में काजल प्रथम और राधिका दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि पुरुषों में नारायण प्रथम, प्रेमपाल द्वितीय और कृष्णा तृतीय स्थान पर रहे। रस्साकसी में गांव पिपरौठ की टीम पहले स्थान पर रही, जबकि सूरज गोविंद की टीम में शामिल कई गांव के खिलाड़ी दूसरे स्थान पर आए। पुरुषों की 1600 मीटर ओपन में आकाश प्रथम, हेमंत द्वितीय और कैलाशी तृतीय स्थान पर रहे। 400 मी पुरुष वर्ग में राम प्रथम, अरुण द्वितीय और देव तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के आयोजन रविंद्र सिंह तरकर ने बताया कि ग्रामीण खेल महोत्सव में करीब 200 से अधिक महिला और पुरुष खिलाड़ियों ने भाग लिया।
निर्णायक की भूमिका राहुल सिकरवार, अंकित वर्मा, विवेक चौधरी और कान्हा चौधरी ने निभाई। प्रतियोगिता के अंतिम दिन पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मारक समिति के निदेशक सोनपाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर जयपाल सिंह, रतन सिंह तरकर, पूर्व प्रधान गोविंद सिंह, ओम पाठक, राम पाठक, रमेश तरकर, अनिल मिश्रा, वीरपाल सिंह, महावीर सिंह, दुर्गा सिंह, अचल सिंह एवं विमल कांत शास्त्री आदि मौजूद थे। संचालन दिनेश तरकर ने किया।

आईओपी में शपथ ग्रहण कार्यक्रम

यूनिक समय, वृंदावन। आई.ओ.पी. महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य की अध्यक्षता में बी.ए. पंचम सेमेस्टर की छात्रा डॉली ने मतदाता शपथ पत्र का वाचन करते हुए सभी शिक्षक—शिक्षिकाओं, कर्मचारियों एवं छात्र—छात्राओं को निष्पक्ष और स्वतंत्र मतदान की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी हेमेन्द्र कुमार ने 18 वर्ष हो चुके हैं या चल रहे छात्र—छात्रा वे अपना मतदाता पहचान पत्र हेतु आवेदन करें। जिससे आपका मतदाता पहचान पत्र बन सके। आगामी चुनावों में लोकतांत्रिक सरकार बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।
प्राचार्य प्रो. पीके सारस्वत ने कहा कि व्यक्ति को अपने मत का प्रयोग धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निर्भीक होकर करना चाहिए। इस अवसर पर प्रो. सरला शर्मा, प्रो. अनंत कुमार यादव, प्रो. योगेन्द्र पाल सिंह सोलंकी, प्रो. संजय कुमार सिंह, प्रो. दीपिका वर्मा, डॉ. के. एल. अग्रवाल, डॉ. वीरेंद्र कुमार शर्मा, डॉ. विवेक शर्मा, सुनीत शुक्ला, डॉ. अनुज कुमार, श्रीमती मृदुला पाण्डेय, पवित्र गोस्वामी, धर्मेन्द्र कुमार, सुभाष कृष्ण सरकार एवं सौरभ कुलश्रेष्ठ आदि उपस्थित थे।

30 जन
स्थित श्री
आयोजन

मुम्बई-फिरोजपुर और तूफान एक्सप्रेस कहां हैं...

कोरोनाकाल में स्थगित की गई दोनों ट्रेनों को चलाने की आस

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मुम्बई-फिरोजपुर और उद्यान आभा तूफान एक्सप्रेस आखिर कब चलेंगी। कोरोनाकाल बंद की गई दोनों एक्सप्रेस ट्रेनों का अभी तक कोई पता नहीं है। इन दोनों ट्रेनों में सफर करने वाले यात्री हर दिन इंतजार करते हैं। रेल मंत्रालय के पास न जाने कितने लोगों ने पत्राचार किया, लेकिन सभी पत्राचार लगता है गुम हो गए। दैनिक यात्रियों की मानें तो मुम्बई से फिरोजपुर और उद्यान आभा तूफान एक्सप्रेस में हर दिन सैकड़ों यात्री मथुरा से कोसीकलां, पलवल, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, नई दिल्ली तक की यात्रा करते हैं। इसी क्रम में यात्री नई दिल्ली से लौटते थे। अनेक यात्री तो लंबी दूरी का सफर यानि तूफान एक्सप्रेस से आगरा, टूंडला और हावड़ा तक सफर करते हैं। इसी तरह मुम्बई-फिरोजपुर एक्सप्रेस से भरतपुर और मुम्बई तक का सफर करते हैं। कोरोनाकाल में रेल मंत्रालय ने दोनों ट्रेनों के संचालन को स्थगित कर दिया गया। वर्ष 2026-27 का एक फरवरी को आने वाले बजट से पहले मथुरा के लोगों सांसद हेमामालिनी से नहीं बल्कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बड़ी उम्मीद है कि कम से कम इस सत्र में तो दोनों ट्रेनों का संचालन शुरू करा दें। दैनिक यात्री रमेश चंद शर्मा कहते हैं कि मध्यम वर्ग के यात्रियों के लिए दोनों

मथुरा के हर आदमी की आवाज... बजट सत्र में दिखाओ हरी झंडी

ट्रेनें काफी सुगमता वाली थी। इन ट्रेनों के स्टापेज अधिकांश हर छोटे रेलवे स्टेशन पर थे। महिला यात्री सुमन गुप्ता का कहना है कि दोनों ट्रेनें बंद होने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। व्यापारी कमल गुप्ता का कहना है कि दोनों ट्रेनों का समय ऐसा था, कि हर यात्री अपने घर से समय से निकलता था और सही समय पर नई दिल्ली पहुंचकर अपना व्यापारिक काम करके इन ट्रेनों से वापस लौट आता था।

जिला क्रिकेट संघ मथुरा टी 20 लीग के बारे में मंथन

जिला क्रिकेट संघ की बैठक में पदाधिकारी।

खेल संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिला क्रिकेट संघ की बैठक कार्यालय जुबली पार्क स्थित जुबली खेल परिसर में आयोजित की गई। इसमें आगामी मार्च माह में आयोजित होने वाली मथुरा टी-20 क्रिकेट लीग के बारे में मंथन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 31 जनवरी है। इस प्रतियोगिता में केवल उत्तर प्रदेश के क्रिकेट खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में 8 टीमें भाग ले रही हैं जिसमें से प्रत्येक टीम बाकी समस्त टीमों के विरुद्ध अपना मैच खेलेंगी। जिला क्रिकेट संघ खिलाड़ियों के चयन के लिए फरवरी माह में होने वाले ट्रायल की तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव कमल चावला, सह सचिव उमेश चौरसिया,रितेश शर्मा, आशुतोष दीक्षित, अशोक कैथवास, रोहित सिंह, मोहम्मद असलम, रवि गुर्जर एवं अनिल आहूजा आदि मौजूद थे।

जन गूगल मीट के माध्यम से कवि सम्मेलन

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। भारती साहित्य संगम मंच के तत्वावधान में संस्थापक डॉ. रामदेव शर्मा "राही" ने अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का जन गूगल मीट के माध्यम से किया। शुभारंभ राजेश कुमार शर्मा (धौलपुर) की मां सरस्वती वंदना से हुआ। अध्यक्षता डॉ. शिवनाथ सिंह "शिव"(रायबरेली) ने की। मुख्य अतिथि संतोष श्रीवास्तव "विद्यार्थी"(सागर,म.प्र.), विशिष्ट अतिथि अवधेश कुमार श्रीवास्तव (उन्नाव,उ.प्र.), मंजू दलाल "मंजरी"(नई दिल्ली), रामजीलाल वर्मा (मुंबई) थे। काव्य पाठ करने वाले डॉ. मधुकर राव लारोकर (नागपुर), रवेंद्र पाल सिंह "रसिक"(मथुरा), उषा सूद (मुंबई), बीरेंद्र पाठक (हाथरस), संपति चौरे "स्वाति"(छत्तीसगढ़), आदर्श कुमार "बैरी"(गुरुग्राम), ममता श्रवण अग्रवाल(सतना, म.प्र.), लालाराम बृजवासी (डीग,राज.), डॉ.राधा अग्रवाल(फरीदाबाद), राजबहादुर यादव(जौनपुर,उ.प्र.), सरिता श्रीवास्तव(जोधपुर, राज.), संजय पांचाल "विकलाश्रु"(बाजना), किरन अग्रवाल (प्रतापगढ़, उ.प्र.), डॉ.गीता पाण्डेय "अपराजिता"(सलोन, रायबरेली), ललेतिन लता प्रधान(चांपा,जांजगीर), राजेश कुमार शर्मा(धौलपुर,राज.), नीलम रानी सक्सेना(रामपुर), सुमन गर्ग(दिल्ली), डॉ. आभा गुप्ता(इंदौर,मध्य प्रदेश), श्वेता कुमारी चौबे(बेतिया,बिहार) थे। संचालन डॉ. आभा गुप्ता(इन्दौर) ने किया। कार्यक्रम संयोजक पंडित मुल्कराज "आकाश"(गाजियाबाद) थे।

गणतंत्र दिवस पर चार दिवसीय शिविर का समापन

ध्वजारोहण करते अतिथि व पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। बृज चिकित्सा संस्थान के 49वें स्थापना दिवस के अवसर पर चार दिवसीय मल्टी-सुपरस्पेशलिटी निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का अंतिम दिवस समाजसेवी डॉ. अशोक अग्रवाल (बाल रोग विशेषज्ञ) द्वारा ध्वजा रोहण के साथ प्रारंभ किया गया। गणतंत्र दिवस पर नर्सिंग कॉलेज के छात्रों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। शिविर में हड्डी-जोड़, जनरल सर्जरी, स्त्री-प्रसूति, नेत्र, नाक-कान-गला, दंत तथा त्वचा-केश रोग की निःशुल्क सेवाएं प्रदान की गई। चारों दिन फिजियोथेरेपी मुफ्त रही, एक्स-रे, पैथोलॉजी एवं ईसीजी पर 50% और अल्ट्रासाउंड पर विशेष छूट दी गई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि विधायक श्रीकांत शर्मा ने संस्थान को एंबुलेंस और डायलिसिस मशीन देने की घोषणा की। डॉ. निर्विकल्प, डॉ. भावना, डॉ. पवन, डॉ. रेनू, डॉ. पी.के. गुप्ता, डॉ. एस.पी.एस. चौहान, डॉ. नवीन और डॉ. शेफाली का सम्मान किया गया। संयोजक अपूर्व अग्रवाल, एड दीपक गोयल और संचालन में राजेंद्र हाथी को विशेष सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों और संस्थान के सभी डॉक्टर्स, कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने योगदान दिया।

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आकर मजदूर की मौत

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत मांट मार्ग पर नवनिर्मित भवन में काम कर रहे मजदूर की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर मौत हो गयी। शाहजहांपुर निवासी अपेन्द्र गिरी (42) पुत्र लवकुश गिरी मंगलवार की सायं नवनिर्मित मकान में कार्य करते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर झुलस गया। आनन फानन में उसे उपचार के लिये अस्पताल लाया गया। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी पर थाना प्रभारी रविभूषण शर्मा घटना स्थल पर पहुंच गये। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को देकर शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया।

गणतंत्र दिवस पर छात्राओं का पथ संचलन निकला

वृंदावन में हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मंदिर की छात्राएं पथ संचलन करती हुई। साथ में प्रधानाचार्या डॉ. अंजू सूद।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। हनुमान प्रसाद धानुका सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर में 77वां गणतन्त्र दिवस मनाया। विशिष्ट अतिथि संरक्षिका श्रीमती राजकुमारी धानुका, कोषाध्यक्ष कमल खण्डेलवाल, श्रीमती कुंजलता बेहरा एवं डॉ. अंजू सूद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर पथ संचलन कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। छात्राओं का पथ संचलन नगर के विभिन्न मार्गो रमणरेती, परिक्रमा मार्ग, वाराह घाट, बर्फ फैक्ट्री, फोगला आश्रम मार्ग होते हुए विद्यालय पहुंचा।

रतनलाल स्कूल में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

ध्वजारोहण करते विधायक पूरन प्रकाश व प्रधानाचार्या डॉ नीता सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। रतनलाल फूल कटोरी देवी सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, गोवर्धन मार्ग में 26 जनवरी 2026 को 77वाँ गणतंत्र दिवस उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक पूरन प्रकाश, विद्यालय उपाध्यक्ष रोशन लाल अग्रवाल, प्रबंधक बांके बिहारी शर्मा जी, प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। राष्ट्रगान और अमर शहीदों के जयघोष से विद्यालय परिसर गुंजायमान हुआ। दीप प्रज्वलन और संस्थापक स्व. श्री कुंज बिहारी लाल अग्रवाल जी के तैलचित्र पर पुष्पार्चन किया गया। प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने विद्यालय की शैक्षणिक और खेल उपलब्धियों की जानकारी दी, जिसमें कक्षा दसवीं में पल्लवी शर्मा ने 98% और कक्षा बारहवीं में निहारिका शर्मा ने 97% अंक प्राप्त किए। छात्राओं ने राजस्थानी नृत्य, देशभक्ति नृत्य, राधा-कृष्ण नृत्य और देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। कु. कनिष्का शर्मा ने हिन्दी भाषण और कु. दीपाली ने अंग्रेजी भाषण के माध्यम से शहीदों की वीरता का परिचय दिया। सभी अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद किया गया। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् के साथ हुआ, जिसका संचालन छात्राओं ने किया। संयोजिका आचार्या श्रीमती वन्दना पाल एवं व्यवस्था प्रमुख ममता जैन रहीं।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच के.डी. मेडिकल कॉलेज का स्थापना दिवस मना

श्रीअखिलेश्वर महादेव जी की आरती करते केडी विश्वविद्यालय के उप कुलाधिपति मनोज अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर का 11वां स्थापना दिवस श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। यह आयोजन श्रीअखिलेश्वर महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीअखिलेश्वर महादेव के जयकारे लगाए और भक्तिभाव से प्रसादी ग्रहण की। पूजा-पाठ में उप-कुलाधिपति मनोज अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, के.डी. मेडिकल कॉलेज के डीन एवं प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका, के.डी. डेंटल कॉलेज की प्राचार्या एवं डीन डॉ. नवप्रीत कौर, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, उप-महाप्रबंधक मनोज गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आचार्य करपात्री द्विवेदी, आचार्य देवनाथ द्विवेदी, आचार्य शुभम तिवारी, आचार्य विकास मिश्रा और शास्त्री विवेक मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर में विभिन्न देवी-देवताओं की पूजा कराई

श्रीअखिलेश्वर महादेव के लगाए जयकारे, भक्तिभाव से ग्रहण की प्रसादी

गई। पूजा-पाठ लगभग तीन घंटे चला। श्रीअखिलेश्वर महादेव मंदिर में मेडिकल छात्रों की विशेष आस्था है। छात्र-छात्राएं नियमित रूप से सुबह-शाम पूजा-पाठ और आरती में भाग लेते हैं। यहां आचार्य द्वारा हर शाम आरती कराई जाती है, जिसमें न केवल छात्र-छात्राएं बल्कि दूर-दूर से आए अटेंडर भी शामिल होते हैं। छात्र अपनी शिक्षा और सफलता में प्राध्यापकों के मार्गदर्शन के साथ श्रीअखिलेश्वर महादेव की कृपा को महत्वपूर्ण मानते हैं।

रिसर्च में सामने आया चौंकाने वाला आंकड़ा

वैश्विक खुलासा, ओमेगा-3 की कमी से दिल, दिमाग और इम्युनिटी पर असर

यूनिक समय, नई दिल्ली। हमारे शरीर को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए विटामिन और मिनरल्स जितने जरूरी हैं, उतना ही अहम रोल फैटी एसिड्स का भी होता है। इनमें से एक है ओमेगा-3 फैटी एसिड, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। हालिया वैश्विक अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि दुनिया की करीब 76 फीसदी आबादी ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से जूझ रही है। विशेषज्ञ इसे "खामोश लेकिन गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य समस्या" मान रहे हैं। क्या है ओमेगा-3 फैटी एसिडः ओमेगा-3 एक हेल्दी फैट है, जिसमें मुख्य रूप से ईपीए (ईपीए) और डीएचए (डीएचए) शामिल होते हैं। ये फैटी एसिड शरीर खुद नहीं बना पाता, इसलिए इन्हें भोजन या सप्लीमेंट के जरिए लेना जरूरी होता है। यह दिमाग, दिल, आंखों और इम्युनिटी के लिए बेहद जरूरी है।

हर उम्र में क्यों जरूरी है ओमेगा-3: अध्ययन के मुताबिक, ओमेगा-3 हर उम्र में फायदेमंद है।
प्रेगनेंसी में: समय से पहले डिलीवरी का खतरा कम करने में मदद करता है।
बच्चों में: दिमाग और आंखों के सही विकास के लिए जरूरी।
वयस्कों में: हार्ट हेल्थ, इम्युनिटी बढ़ाने और सूजन कम करने में मदद करता है। इसके अलावा यह डिप्रेशन, याददाश्त कमजोर होने और अल्जाइमर जैसी बीमारियों के खतरे को भी कम कर सकता है।

रिसर्च में क्या सामने आया: यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्पटन और हॉलैंड एंड बैरट के शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के नतीजे जर्नल न्यूट्रिशन रिसर्च रिव्यू में प्रकाशित किए। शोध में पाया गया कि ज्यादातर लोगों को ईपीए और डीएचए की पर्याप्त मात्रा नहीं मिल रही, जो चिंता का विषय है।

कितनी मात्रा जरूरी: एक वयस्क को रोजाना 250 मिलीग्राम ईपीए और डीएचए लेने की जरूरत है। प्रेगनेंट महिलाओं को अतिरिक्त 100-200 मिलीग्राम डीएचए लेना चाहिए। इस जरूरत को सैल्मन, मैकेरल जैसी फैटी मछलियों से पूरा किया जा सकता है या डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट के जरिए।

क्यों बढ़ रही है कमी: अध्ययन में बताया गया कि मछली का कम सेवन, पर्यावरणीय चिंताएं और सप्लीमेंट को लेकर सही जानकारी की कमी इसकी मुख्य वजह हैं। अलग-अलग देशों में अलग गाइडलाइन होने से लोगों में भ्रम भी बना रहता है।

सेहत के लिए चेतावनी: विशेषज्ञों का कहना है कि अगर समय रहते ओमेगा-3 की कमी पर ध्यान नहीं दिया गया, तो यह भविष्य मेंबड़ी समस्या बन सकती है।

परफेक्ट लुक के लिए सही फुटवियर जरूरी

साड़ी-लहंगा के साथ हील्स की सही चॉइस

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन ट्रेडिशनल आउटफिट्स जैसे साड़ी, लहंगा और शरारा हर मौके पर महिलाओं की खूबसूरती को चार चांद लगाते हैं। शादी, फेस्टिवल या किसी खास फंक्शन में लोग कपड़ों और ज्वेलरी पर तो खूब ध्यान देते हैं, लेकिन अक्सर फुटवियर को नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि गलत हील्स या जूते पहनने से पूरा लुक बिगड़ सकता है। ऐसे में सही फुटवियर चुनना उतना ही जरूरी है, जितना सही आउटफिट। स्टाइलिस्ट नीलिमा सेठिया के अनुसार, अलग-अलग एथनिक आउटफिट्स के साथ अलग तरह की हील्स ज्यादा स्टाइलिश लगती हैं।

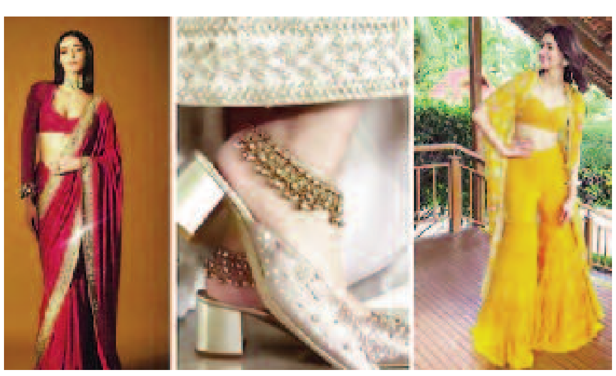

साड़ी के साथ कौन-सी हील्स पहनें: साड़ी एक एलिगेंट और ग्रेसफुल आउटफिट है, इसलिए इसके साथ ऐसे फुटवियर पहनने चाहिए जो लुक को संतुलित रखें। साड़ी के साथ किटन हील्स, ब्लॉक हील्स और वेजेस सबसे बेहतर ऑप्शन माने जाते हैं। किटन हील्स उन महिलाओं के लिए परफेक्ट हैं, जिन्हें ज्यादा ऊंची हील्स पसंद नहीं होतीं। ये साड़ी के साथ सॉफ्ट और क्लासी लुक देती हैं। ब्लॉक हील्स न सिर्फ स्टाइलिश लगती हैं, बल्कि लंबे समय तक पहनने में आरामदायक भी होती हैं। वहीं, सिल्क या कॉटन साड़ी के साथ वेजेस पहनकर आप ट्रेडिशनल के साथ मॉडर्न टच पा सकती हैं।

शरारा के साथ क्या फुटवियर चुनें: शरारा आउटफिट फ्लोई और थोड़ा हेवी होता है, इसलिए इसके साथ हल्के लेकिन स्टाइलिश फुटवियर अच्छे लगते हैं। स्ट्रेपी हील्स, पम्प्स और कढ़ाई वाली जुत्ती शरारा के साथ शानदार लुक देती हैं। स्ट्रेपी हील्स शरारा को मॉडर्न और ग्लैमरस लुक देती हैं, जबकि पम्प्स क्लासिक और एलिगेंट चॉइस हैं। अगर आप ज्यादा कंफर्ट चाहती हैं, तो कढ़ाई वाली जुत्ती पहन सकती हैं, जो ट्रेडिशनल लुक को और निखारती है।

लहंगे के साथ कैसे करें सही फुटवियर का चुनाव: लहंगा अक्सर भारी और वॉल्यूमिनस होता है, इसलिए इसके साथ ऐसे फुटवियर चुनें जो स्टेबल हों। ब्लॉक हील्स, वेजेस या हील वाली जुत्ती लहंगे के साथ सबसे अच्छा तालमेल बिठाती हैं। ये न सिर्फ लुक को बैलेंस करती हैं, बल्कि चलने में भी आसानी देती हैं।

स्टाइल के साथ कंफर्ट भी है जरूरी: फैशन के साथ-साथ कंफर्ट को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। शादी या फंक्शन में लंबे समय तक खड़ा रहना और चलना पड़ता है। ऐसे में वही फुटवियर पहनें, जिसमें आप खुद को कॉन्फिडेंट और आरामदायक महसूस करें। सही हील्स आपके पूरे एथनिक लुक को परफेक्ट बना सकती हैं।

सर्दियों में सेहत के लिए रामबाण

पोषण का पावरहाउस है एबीसीजी का जूस

यूनिक समय, नई दिल्ली। सर्दियों के मौसम में शरीर को अतिरिक्त पोषण और मजबूत इम्युनिटी की जरूरत होती है। एबीसीजी जूस को पोषण का पावरहाउस माना जाता है, क्योंकि इसमें सेब, चुकंदर, गाजर और अदरक जैसे सुपरफूड्स शामिल होते हैं। यह जूस न सिर्फ शरीर को डिटॉक्सीफाई करता है, बल्कि इम्युनिटी बढ़ाने में भी मदद करता है।

क्या है एबीसीजी जूस: एबीसीजी जूस चार पोषक तत्वों से भरपूर चीजों से मिलकर बनता है- सेब, चुकंदर, गाजर और अदरक। इन चारों का कॉम्बिनेशन शरीर को जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रदान करता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होता है और लिवर को डिटॉक्स करने में भी मदद मिलती है।

सेब के फायदे: सेब को 'जादुई फल' कहा जाता है। इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। सेब पाचन को बेहतर बनाता है और शरीर में एनर्जी बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा यह दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

चुकंदर क्यों है जरूरी: चुकंदर पोषक तत्वों का पावरहाउस है। इसमें आयरन, फोलेट और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं। यह खून की कमी दूर करने, ब्लड सर्कुलेशन सुधारने और शरीर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है।

गाजर से मिलती है आंखों और त्वचा को मजबूती: गाजर को सुपरफूड कहा जाता है। इसमें विटामिन ए, बीटा-कैरोटीन और पोटेशियम पाया जाता है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने और त्वचा को हेल्दी बनाए रखने में सहायक है।

अदरक बढ़ाता है इम्युनिटी: अदरक में औषधीय गुण होते हैं। यह सूजन कम करता है, पाचन को दुरुस्त रखता है और सर्दी-खांसी से राहत दिलाने में मदद करता है। सर्दियों में अदरक का सेवन खासतौर पर फायदेमंद माना जाता है।

धौलाधार की गोद में बसा नड्डी गांव, प्रकृति प्रेमियों की पहली पसंद

आकार में छोटी, लेकिन आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है डल झील

यूनिक समय, नई दिल्ली। नए साल का जश्न मनाने के लिए ज्यादातर लोग पहाड़ों की ओर रुख करते हैं। लेकिन शिमला, मनाली या मसूरी जैसी जगहों पर इस दौरान भारी भीड़ देखने को मिलती है, जिससे ट्रिप का मजा कहीं न कहीं कम हो जाता है। अगर आप भी नए साल पर किसी शांत, सुंदर और ऑफबीट जगह को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित डल झील और नड्डी गांव आपके लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकते हैं।

कहां स्थित है डल झील और नड्डी: डल झील हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में धर्मशाला के पास स्थित है। यह झील मैक्लोडगंज से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर है। वहीं नड्डी गांव डल झील से करीब 1.5 किलोमीटर आगे स्थित है। धौलाधार पर्वत श्रृंखला की गोद में बसी यह जगह अपनी शांति, प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण के लिए जानी जाती है।

डल झील छोटा लेकिन पवित्र जलस्त्रोत: हिमाचल की मशहूर झीलों की तुलना में डल झील आकार में भले ही छोटी हो, लेकिन इसका धार्मिक और प्राकृतिक महत्व बहुत ज्यादा है। यह एक पवित्र जलस्त्रोत माना जाता है, जहां स्थानीय लोग और पर्यटक श्रद्धा के साथ आते हैं। चारों ओर

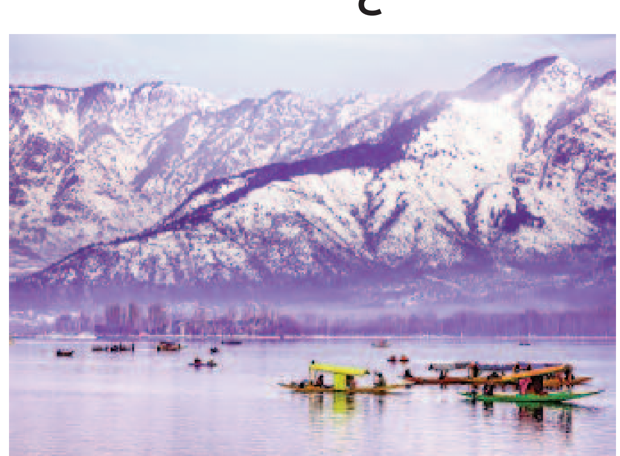

देवदार के घने जंगल इस झील को और भी खास बनाते हैं। यहां की ठंडी हवा और शांत माहौल मन को सुकून देता है।

दुर्वेश्वर महादेव मंदिर का आध्यात्मिक अनुभव: डल झील के किनारे स्थित दुर्वेश्वर महादेव मंदिर इस जगह की धार्मिक पहचान है। सावन और महाशिवरात्रि के दौरान यहां विशेष भीड़ होती है, लेकिन बाकी समय यह स्थान बेहद शांत रहता है। जो लोग नए साल की शुरुआत आध्यात्मिक शांति के साथ करना चाहते हैं, उनके लिए यह स्थान बेहद उपयुक्त है।

नड्डी गांव: प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग: नड्डी गांव धौलाधार रेंज के शानदार नजारों के लिए जाना जाता है। यहां से कांगड़ा घाटी का खूबसूरत दृश्य दिखाई देता है। यह जगह ट्रेकिंग और नेचर वॉक के शौकीनों के बीच काफी लोकप्रिय है। अगर आप फोटोग्राफी पसंद करते हैं, तो यहां के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। **भीड़ से दूर, सुकून भरा अनुभव:** नए साल के मौके पर जहां ज्यादातर हिल स्टेशनों पर होटल महंगे और जगहें भीड़भाड़ वाली हो जाती हैं, वहीं डल झील और नड्डी अभी भी अपेक्षाकृत शांत हैं। यहां आपको प्रकृति के करीब समय बिताने, खुद से जुड़ने और नए साल की शुरुआत सादगी के साथ करने का मौका मिलेगा।

कैसे बनाएं प्लान: आप धर्मशाला या मैक्लोडगंज तक आसानी से पहुंच सकते हैं। वहां से टैक्सी या लोकल साधनों से डल झील और नड्डी गांव पहुंचा जा सकता है। ठंड के मौसम में गर्म कपड़े साथ रखना जरूरी है।

सुविचार

मेहनत वो सुनहरी चाबी है जो बंद भविष्य के दरवाजे भी खोल देती है

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	01:46-12:40 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा	02:32-02:15 तक	माह	माघ
सूर्योदय		7:13 AM	चन्द्रोदय	10:21 AM
सूर्यास्त		5:47 PM	चंद्रास्त	11:16 PM
सूर्य राशि		मकर राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		12:09PM -12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:34-06:22
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2082
राहुकाल		09:52AM-11:11AM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नदी स्नान न हो पाए तो घर बैठे पाएं माघ पूर्णिमा का पुण्य फल

यूनिक समय, मथुरा। माघ पूर्णिमा हिंदू धर्म में अत्यंत पुण्यदायी तिथि मानी जाती है। वर्ष 2026 में माघ पूर्णिमा 1 फरवरी को मनाई जाएगी। इस दिन गंगा, यमुना, सरस्वती जैसी पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि माघ पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पापों का नाश होता है और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसी कारण हर साल इस दिन देशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों और नदी घाटों पर लाखों श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचते हैं।

हालांकि, कई बार परिस्थितियों के कारण सभी लोग पवित्र नदियों तक नहीं पहुंच पाते। किसी के घर के पास नदी नहीं होती, तो किसी के लिए यात्रा करना संभव नहीं हो पाता। ऐसे में मन में यह सवाल उठता है कि क्या बिना नदी स्नान के माघ पूर्णिमा का पुण्य प्राप्त किया जा सकता है? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि श्रद्धा और विधि के साथ कुछ उपाय घर पर ही कर लिए जाएं, तो व्यक्ति को स्नान के समान ही शुभ फल प्राप्त होते हैं। आइए जानते हैं माघ पूर्णिमा के दिन घर बैठे किए जाने वाले ऐसे ही प्रमुख उपायों के बारे में।

माघ पूर्णिमा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। यदि आप नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, तो घर पर स्नान के जल में कुछ बूंदें गंगाजल अवश्य मिलाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से स्नान का जल पवित्र हो जाता है और गंगा स्नान के समान पुण्य प्राप्त होता है।

पूर्णिमा तिथि पर तुलसी पूजन का विशेष महत्व होता है। माघ पूर्णिमा के दिन तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाना और उसकी विधिपूर्वक पूजा करना अत्यंत फलदायी माना जाता है। तुलसी माता को भगवान विष्णु का प्रिय स्वरूप माना गया है। जो लोग पवित्र नदियों में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें तुलसी की परिक्रमा करनी चाहिए और "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप करना चाहिए। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और विष्णु जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

माघ पूर्णिमा के दिन श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का पाठ करना भी अत्यंत शुभ माना गया है। यह कथा भगवान विष्णु को समर्पित होती है और इसके पाठ से घर में सुख-शांति, समृद्धि और सौभाग्य का वास होता है। कहा जाता है कि जो लोग श्रद्धा भाव से इस कथा का श्रवण या पाठ करते हैं, उनके जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। यदि संभव हो तो परिवार के सभी सदस्यों के साथ मिलकर कथा का पाठ करें और अंत में प्रसाद वितरित करें।

माघ पूर्णिमा आध्यात्मिक साधना के लिए भी उत्तम दिन माना जाता है। इस दिन एकांत स्थान पर बैठकर देवी गंगा, मां सरस्वती, मां लक्ष्मी, भगवान विष्णु, भगवान शिव, अपने इष्ट देव और पितरों के मंत्रों का जाप करना चाहिए। मंत्र जाप के साथ ध्यान करने से मन शांत होता है और आत्मिक शुद्धि होती है। यह साधना न केवल आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करती है, बल्कि मानसिक तनाव को भी कम करती है। माघ पूर्णिमा के दिन दान का बड़ा महत्व है। इस दिन किया गया दान अक्षय फल देता है।

शास्त्रों के अनुसार, इस दिन तिल, गुड़, घी, कंबल, अन्न, वस्त्र और धन का दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। दान करने से न केवल देवी-देवताओं की कृपा प्राप्त होती है, बल्कि पितृ भी प्रसन्न होते हैं। माना जाता है कि माघ पूर्णिमा पर किया गया दान जीवन में सुख-समृद्धि और पुण्य का भंडार बढ़ाता है। माघ पूर्णिमा के दिन चंद्र पूजन का भी विशेष महत्व है।

नए साल का व्रत-त्योहार कैलेंडर

- 29 जनवरी, दिन बृहस्पतिवार : जया एकादशी
- 30 जनवरी, दिन शुक्रवार : शुक्र प्रदोष व्रत
- 1 फरवरी, दिन रविवार : माघ पूर्णिमा
- 5 फरवरी, दिन बृहस्पतिवार : द्विजप्रिय संकष्टी
- 13 फरवरी, दिन शुक्रवार : विजया एकादशी
- 14 फरवरी, दिन शनिवार : शनि प्रदोष व्रत
- 15 फरवरी, दिन रविवार : महाशिवरात्रि या फाल्गुन मासिक शिवरात्रि
- 17 फरवरी, दिन मंगलवार : दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या

कल का राशिफल

मेष राशि: जो लोग रिलेशनशिप में हैं, उनके लिए बातचीत करते रहना जरूरी है। किसी भी पेंडिंग मुद्दे को ईमानदारी के साथ हैंडल करें। कल बंधन को मजबूत करने और अपने साथी के करीब आने का एक अच्छा समय है।

वृषभ राशि: कल नए अनुभवों और अवसरों के लिए खुले रहें। आपका प्रेम जीवन रोमांचक मोड़ ले सकता है। अगर आप सिंगल हैं, तो कोई नई मुलाकात महत्वपूर्ण कनेक्शन में बदल सकती है। अपनी भावनाओं को समझें और प्रोसेस पर भरोसा रखें।

मिथुन राशि: कल का दिन रोमांस के लिए शुभ रहेगा। लॉन्ग डिस्टेंस रिलेशन में दूरी कम करने का मौका मिलेगा। हरी सब्जियों को अपने डाइट में शामिल करें और तनाव को बढ़ावा न दें।

कर्क राशि: कल का दिन बिजी रहेगा। स्टूडेंट्स किसी असाइनमेंट या प्रोजेक्ट में व्यस्त रहेंगे। अपने प्रेम जीवन और व्यक्तिगत संबंधों पर ध्यान देना जरूरी है।

सिंह राशि: कल सोच-समझकर हर चुनाव करें। यह आपकी वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और भविष्य में सुरक्षित निर्णय लेने में मदद करेगा।

कन्या राशि: दिन खुशनुमा रहेगा। कुछ जातक अपने पार्टनर के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं। करियर में ऑफिस पॉलिटिक्स से बचें और नियमित एक्सरसाइज करें।

तुला राशि: सभी टास्क समय पर पूरे करें। यह बॉस की नाराजगी से बचाएगा। पैसों के मामले में दिन शुभ है, लेकिन काम का प्रेशर कम रखें।

वृश्चिक राशि: दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। सिंगल जातकों को ऑफिस या क्लास में नया क्रश मिल सकता है। धन का समझदारी से प्रबंधन करें और स्ट्रेस कम लें।

धनु राशि: कल आप अपने गोल्स के करीब पहुँच रहे हैं। मुसीबतों का सामना अपने आत्मविश्वास से करें और शरीर की जरूरतों पर ध्यान दें।

मकर राशि: जीवन के विभिन्न पहलुओं में अप्रत्याशित बदलाव हो सकते हैं- प्यार, करियर, पैसा या स्वास्थ्य। इन बदलावों को खुले दिल और दिमाग से अपनाएं।

कुंभ राशि: दिन सामान्य रहेगा। काम के सिलसिले में भागदौड़ बढ़ सकती है। स्वास्थ्य पर निगरानी रखें और परिवार के बुजुर्गों का ख्याल रखें। रोजाना योग करें और जंक फूड से दूरी बनाए रखें।

मीन राशि: कल का दिन बदलावों से भरा रहेगा। लव रिलेशन में साथी के साथ अनबन से बचें। अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें और परिवार के साथ क्वालिटी समय बिताएं।

जया और विजया एकादशी का धार्मिक महत्व

यूनिक समय, मथुरा। यह माघ मास के शुक्ल पक्ष में आती है, जो सामान्यतः फरवरी माह के आसपास पड़ती है। इस दिन भगवान विष्णु के साथ भगवान श्रीराम की पूजा का भी विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि यह व्रत अनजाने में किए गए पापों का नाश करता है और जीवन में सुख-शांति लाता है। यह फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष में आती है, जो जया एकादशी के लगभग 15 दिन बाद होती है। वर्ष 2026 में जया (अजा) एकादशी 29 जनवरी को और विजया एकादशी 13 फरवरी को मनाई जाएगी। दोनों तिथियां अलग-अलग उद्देश्य की पूर्ति के लिए जानी जाती हैं। जया एकादशी का संदेश आत्मशुद्धि और पापों से मुक्ति से जुड़ा है। यह व्रत व्यक्ति को अधोगति, भूत-प्रेत या पिशाच योनि जैसी दुर्गति से बचाने वाला माना गया है। वहीं विजया एकादशी का संदेश संघर्षों में विजय, साहस और सफलता से जुड़ा है। यह व्रत जीवन में आने वाली चुनौतियों से जीत दिलाने की प्रेरणा देता है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान श्रीराम ने लंका विजय से पूर्व समुद्र तट पर वकदालभ्य ऋषि के निर्देश पर जया एकादशी का व्रत किया था। इस व्रत को करने से व्यक्ति को मानसिक शुद्धता, पापों से मुक्ति और मोक्ष का मार्ग प्राप्त होता है। मान्यता है कि इस व्रत को करने वाला व्यक्ति मृत्यु के बाद नीच योनियों में नहीं भटकता। विजया एकादशी अपने नाम के अनुरूप जीवन में विजय प्रदान करती है। इस दिन व्रत रखने से शत्रुओं पर विजय, कार्यों में सफलता और धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ने की शक्ति मिलती है। यह व्रत विशेष रूप से उन लोगों के लिए शुभ माना जाता है जो किसी महत्वपूर्ण लक्ष्य, परीक्षा या संघर्ष से गुजर रहे हों। हालांकि दोनों व्रतों में भगवान विष्णु की पूजा की जाती हैं।

गीता का ज्ञान: क्या श्रीकृष्ण ने केवल अर्जुन को ही उपदेश दिया था?

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश विश्व के सबसे महान आध्यात्मिक संवादों में से एक माना जाता है। कुरुक्षेत्र के युद्धभूमि में दिया गया यह ज्ञान आज हिंदू धर्म का प्रमुख ग्रंथ है, जिसे वेदों और उपनिषदों का सार कहा जाता है। सामान्य धारणा यही है कि गीता का उपदेश केवल अर्जुन को ही दिया गया था, लेकिन प्राचीन ग्रंथों और पुराणों का अध्ययन बताता है कि श्रीकृष्ण ने यह शाश्वत ज्ञान अन्य पात्रों को भी विभिन्न अवसरों पर प्रदान किया था। आइए जानते हैं कि अर्जुन के अलावा किन-किन को गीता तुल्य ज्ञान प्राप्त हुआ।

कुरुक्षेत्र के युद्ध में जब अर्जुन मोह, शोक और कर्तव्य भ्रम से ग्रस्त हो गए, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्तियोग का उपदेश दिया। यही उपदेश श्रीमद्भगवद्गीता के 700 श्लोकों में संकलित है। यह केवल युद्ध का मार्गदर्शन नहीं, बल्कि जीवन, धर्म और मोक्ष का पूर्ण दर्शन है। परंतु युद्ध समाप्त होने के बाद और अन्य प्रसंगों में भी श्रीकृष्ण ने इसी तत्वज्ञान को अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत किया।

अनुगीता: युद्ध के बाद का गूढ़ ज्ञान : अनुगीता महाभारत का ही एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसका उल्लेख आश्वमेधिक पर्व के अध्याय 51 में मिलता है। 'अनु' का अर्थ है-अनुवर्ती या परिशिष्ट। यानी यह गीता का विस्तार है। कहा जाता है कि जब महाभारत युद्ध समाप्त हो गया और पांडव हस्तिनापुर में राज्य कर रहे थे, तब अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पुनः उस दिव्य ज्ञान को दोहराने का अनुरोध किया। श्रीकृष्ण ने बताया कि युद्ध के समय दिया गया ज्ञान तत्कालिक परिस्थितियों से जुड़ा था, फिर भी उन्होंने उसके सार को नए रूप में प्रस्तुत किया, जिसे अनुगीता कहा गया। इस ग्रंथ में आत्मा, बुद्धि, इंद्रियां, ध्यान, पंचभूत, ऋषियों के संवाद और ऐतिहासिक प्रसंगों का विस्तृत वर्णन मिलता है। यह केवल अर्जुन और श्रीकृष्ण का संवाद नहीं, बल्कि वसुदेव को भी दिए गए उपदेशों का समावेश है। अनुगीता इसलिए भी विशेष है क्योंकि इसमें युद्ध के बाद के जीवन, शासन और नैतिक जिम्मेदारियों पर गहन विचार मिलता है।

उद्धव गीता: योग और वैराग्य का उपदेश : उद्धव गीता श्रीमद्भागवत पुराण का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसे हंस गीता भी कहा जाता है और इसमें लगभग एक हजार से अधिक श्लोक हैं। यह ज्ञान भगवान श्रीकृष्ण ने अपने प्रिय मित्र और सौतेले भाई उद्धव को दिया था। उद्धव अत्यंत ज्ञानी, बुद्धिमान और वैराग्यशील थे। वे निर्गुण, निराकार ब्रह्म की उपासना को सर्वोच्च मानते थे और ज्ञान को ही मुक्ति का मुख्य साधन समझते थे। श्रीकृष्ण जानते थे कि उद्धव के भीतर कहीं न कहीं ज्ञान का सूक्ष्म अहंकार भी है। **गीता केवल एक नहीं, अनेक रूपों में** : महाभारत और पुराणों में श्रीमद्भगवद्गीता के अतिरिक्त अनेक अन्य गीताओं का भी उल्लेख मिलता है। इनमें से कई प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से श्रीकृष्ण के उपदेशों पर आधारित हैं। जैसे- अनुगीता, उद्धव गीता, हंस गीता, पराशर गीता, बोध्य गीता, पिंगला गीता, वृत्र गीता, शंकर गीता, गोपी गीता, शिव गीता, गुरु गीता, अवधूत गीता, अष्टावक्र गीता, कपिल गीता, कर्म गीता और प्रणव गीता आदि।

सम्पादकीय

विश्व व्यवस्था को लेकर बढ़ती आशंका

यह भी तय नहीं है कि ट्रंप का कार्यकाल समाप्त होने के बाद इस बोर्ड का अस्तित्व बचा भी रहेगा या नहीं? इसमें सबसे उचित विकल्प यही रहेगा कि वह इस बोर्ड में शामिल न होकर संयुक्त राष्ट्र को समर्थन दे और उसमें सुधारों की बात को भी आगे बढ़ाता रहे। ट्रंप ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था को चुनौती दी। उनका 'शांति बोर्ड' संयुक्त राष्ट्र का विकल्प, कई देशों ने नकारा। भारत को ट्रंप की नाराजगी और असहज स्थिति से बचना होगा।

इस समय अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष सबसे बड़ा मुद्दा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद आकार लेने वाली वैश्विक व्यवस्था के अस्तित्व से जुड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस व्यवस्था का तानाबाना बदल देना चाहते हैं। यह स्थापित वैश्विक व्यवस्था सभी देशों की संप्रभुता और समानता को प्रमुखता देती है। यह शक्ति के दुरुपयोग से देशों की क्षेत्रीय अखंडता से छेड़छाड़ को मान्यता नहीं देती। इसमें यह सुनिश्चित करने का प्रयास होता है कि कोई भी देश व्यापार में किसी अन्य देश के प्रति भेदभाव न करे या अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करे।

पवन गौतम

ट्रंप ने भेदभावपूर्ण टैरिफ लगाकर और ईरान में तख्तापलट की समर्थक ताकतों को शह देकर इन स्थापित मूल्यों को तोड़ा है। इससे पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को राजधानी काराकास से अगवा कर उन्होंने इस दक्षिण अमेरिकी पड़ोसी देश की संप्रुभता का खुला उल्लंघन किया। इसी क्रम में येन–केन प्रकारेण ग्रीनलैंड को अपने कब्जे में लेने की उनकी मंशा डेनमार्क की क्षेत्रीय अखंडता पर आघात करने को आतुर दिखती है। वर्तमान वैश्विक व्यवस्था के संचालक के तौर पर ही संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई थी। ट्रंप ने हाल में अपने नेतृत्व में जिस शांति बोर्ड की स्थापना का प्रस्ताव आगे बढ़ाया है, उसे संयुक्त राष्ट्र के उनके संस्करण के रूप में में ही देखा जा रहा है। वैसे तो उनका कहना है कि इन दोनों संस्थाओं की जुगलबंदी काफी कारगर हो सकती है, लेकिन स्थापित संस्थाओं के प्रति ट्रंप का दुराग्रह किसी से छिपा नहीं रहा। विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद पर ट्रंप ने यह कहकर निशाना साधने में संकोच नहीं किया कि ये संस्थाएं अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाईं। पिछले साल आपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान में छिड़ी लड़ाई को रोकने का वे कई बार श्रेय ले चुके हैं, जबकि सच यही है कि पाकिस्तान की गुजारिश पर ही भारत ने संघर्ष विराम किया था। अब ट्रंप चाहते हैं कि उनका पीस बोर्ड हर तनाव और संघर्ष की स्थिति में हस्तक्षेप करे। स्पष्ट है कि वे चाहते हैं कि अमेरिका पूरी तरह से दुनिया पर हावी हो जाए और देशों के बीच संवाद एवं सहभागिता वही निर्धारित करे। इसका अर्थ होगा कि रूस, चीन, भारत और फ्रांस तथा जर्मनी जैसे महत्वपूर्ण देशों की भूमिका सीमित हो जाएगी। यही कारण है कि पीस बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित तमाम देशों ने इससे जुड़ाव को लेकर उदासीनता दिखाई है। सुरक्षा परिषद के सदस्यों में ब्रिटेन और फ्रांस इसके चार्टर हस्ताक्षर समारोह में शामिल नहीं हुए। एक अन्य वीटो शक्ति वाले देश रूस ने भी इसमें भाग नहीं लिया तो कई यूरोपीय देश भी उसमें नदारद रहे।

नजरिया

आम आदमी की नजर से नौवां बजट

भारत का यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि भरोसे का दस्तावेज होना चाहिए

– महेन्द्र तिवारी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार नौवां आम बजट पेश करने जा रही हैं। यह केवल एक औपचारिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि उस दौर का आईना होगा जिसमें आम आदमी महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच संतुलन खोज रहा है। यह अवसर ऐतिहासिक भी है, क्योंकि वह मोरारजी देसाई के दस बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है, विकसित देशों की मौद्रिक नीतियों का दबाव है, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती दिख रही है और युद्धों के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित है, भारत का यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि भरोसे का दस्तावेज होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई है, लेकिन इसका सीधा लाभ हर घर तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। मध्यम वर्ग, जो कर व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, आज सबसे अधिक अपेक्षाएं लगाए बैठा है। यह वर्ग केवल कर में छूट नहीं चाहता, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरतों में राहत चाहता है। वेतनभोगी परिवारों के लिए बढ़ती किस्तें, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और मकान का सपना लगातार महंगा होता जा रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि कर कटौती की सीमा बढ़े, ताकि हाथ में बचने वाली आय से रोजमर्रा का जीवन थोड़ा आसान हो सके। केवल आयकर की दरों में बदलाव ही नहीं, बल्कि मकान ऋण पर मिलने वाली ब्याज छूट को बढ़ाने से लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिल सकता है। आज शहरों में एक साधारण घर भी मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर होता जा रहा है, ऐसे में सस्ते आवास को प्रोत्साहन देना सामाजिक स्थिरता के लिए भी जरूरी है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम आदमी की चिंता और भी गहरी है। बीमारी आज केवल शारीरिक संकट नहीं, बल्कि आर्थिक आपदा बन जाती है। निजी अस्पतालों की बढ़ती लागत और बीमा प्रीमियम ने मध्यम और निम्न आय वर्ग को डरा रखा है। यदि स्वास्थ्य बीमा पर कर में अधिक छूट मिले, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रावधान हों और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का दायरा बढ़े, तो यह बजट वास्तव में जीवन रक्षक साबित हो सकता है। आयुष आधारित उपचार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मजबूती और दवाओं की सस्ती उपलब्धता जैसे कदम आम परिवार के लिए राहत की सांस होंगे। ग्रामीण भारत और किसान इस देश की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। आधी से अधिक आबादी आज भी खेती और उससे जुड़े कामों पर निर्भर है, लेकिन आय की अनिश्चितता और बढ़ती लागत ने किसान को असुरक्षित बना दिया है। किसानों को मिलने वाली प्रत्यक्ष सहायता राशि में वृद्धि, सस्ते ऋण की सीमा बढ़ाना और फसल बीमा को अधिक पारदर्शी तथा त्वरित बनाना समय की मांग है। सिंचाई परियोजनाओं में बड़े निवेश से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि गांवों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। जब गांव मजबूत होंगे, तभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव कम होगा और सामाजिक संतुलन बना रहेगा। लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका भी इस बजट में केंद्र में रहनी चाहिए। ये उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। आसान ऋण, सरल कर व्यवस्था और तकनीकी सहायता से ये इकाइयां आत्मनिर्भर बन सकती हैं। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को प्रोत्साहन देने से सामाजिक बदलाव भी आएगा। गांव और कस्बों में यदि छोटे उद्योग फलते–फूलते हैं, तो पलायन रुकेगा और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी। महिलाएं और युवा किसी भी देश के भविष्य की असली पूंजी होते हैं। महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति की भी शर्त है। स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों और कौशल प्रशिक्षण योजनाओं को यदि मजबूत समर्थन मिले, तो महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं बल्कि विकास की सहभागी बनेंगी। युवाओं के लिए रोजगार सृजन सबसे बड़ी चुनौती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी नौकरी न मिलना आज लाखों युवाओं की हकीकत है। यदि बजट में प्रशिक्षु कार्यक्रम, नई नौकरियों के लिए प्रोत्साहन और नवाचार आधारित उद्यमों को सहायता मिले, तो यह निराशा उम्मीद में बदल सकती है।

शिक्षा पर निवेश लंबे समय का निवेश होता है। विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षा तक गुणवत्ता सुधारना आवश्यक है। व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को समाज की मुख्यधारा में लाने से युवाओं को रोजगार योग्य बनाया जा सकता है। डिजिटल माध्यमों से दूरदराज के क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचाने से ग्रामीण और शहरी बच्चों के बीच की खाई कम होगी। जब शिक्षा सशक्त होगी, तभी जनसंख्या का लाभ वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलेगा। स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे पर खर्च किसी भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। अस्पताल, डॉक्टर, जांच सुविधाएं और चिकित्सा उपकरण यदि सुलभ होंगे, तो जनता का भरोसा मजबूत होगा। इसी तरह सड़क, रेल, हवाई संपर्क और ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश से न केवल रोजगार पैदा होते हैं, बल्कि पूरे देश की उत्पादकता बढ़ती है। स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल योजनाओं से आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य तैयार किया जा सकता है। जब घरों की छतों पर सौर ऊर्जा पहुंचेगी, तो बिजली का खर्च घटेगा और प्रदूषण भी कम होगा। निर्मला सीतारमण के पिछले बजटों में नीति की निरंतरता दिखी है। बड़े सुधारों के साथ–साथ स्थिरता बनाए रखने की कोशिश रही है। इस बार भी उनसे यही अपेक्षा है कि वे विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन साधें। आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब उसका असर आम आदमी की थाली, जेब और भविष्य की सुरक्षा पर दिखे। विदेशी निवेश, निर्यात और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि लाभ केवल चुनिंदा वर्गों तक सीमित न रह जाए। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी पूरी होगी, जब गांव का किसान, शहर का मजदूर, मध्यम वर्ग का कर्मचारी, महिला उद्यमी और पढ़ा–लिखा युवा सभी खुद को इस विकास यात्रा का हिस्सा महसूस करें। यह बजट केवल सरकार की मंशा का नहीं, बल्कि देश की दिशा का संकेत देगा। यदि इसमें उम्मीदों और यथार्थ के बीच संतुलन बना, तो यह केवल नौवां बजट नहीं, बल्कि विश्वास का दस्तावेज बन सकता है। आम आदमी आज चमत्कार नहीं, बल्कि ईमानदार कोशिश चाहता है। अगर यह कोशिश दिखाई दी, तो 2047 के सपने की राह और भी स्पष्ट हो जाएगी।

विचार विण्डो

लोकतांत्रिक एवं गणतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के लोकतांत्रिक और गणतांत्रिक मूल्यों पर प्रकाश डाला है। उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद के दृष्टिकोण से लेकर पीएम मोदी की 'सबका साथ, सबका विकास' नीति तक की यात्रा का वर्णन किया। लेख में श्रम संहिताओं, स्टार्टअप इंडिया, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसी पहलों के माध्यम से सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और नागरिक कल्याण पर जोर दिया गया है, जो भारतीय गणतंत्र की सतत यात्रा को मजबूत करते हैं।

देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 16 मई, 1952 को पहली लोकसभा को संबोधित करते हुए संसद सदस्यों को उनके लोकतांत्रिक दायित्वों की गंभीरता का स्मरण कराया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि संविधान लागू होते ही राष्ट्रपति के निर्वाचन और पहले आम चुनाव के साथ स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का प्रथम चरण पूरा हो चुका है और देश अब ऐसे दूसरे चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसमें कोई विराम नहीं होगा। वस्तुतः, संविधान और लोकतंत्र की पूरी व्यवस्था के केंद्र में 'हम भारत के लोग' हैं और उनके सामाजिक और आर्थिक उत्थान का ही ध्येय है। यह ध्येय सदैव भारत की राजनीतिक चेतना का अभिन्न अंग रहा है। प्राचीन भारत में 'योग–क्षेम' का सिद्धांत व्यक्ति के कल्याण और सुरक्षा से जुड़ा हुआ था। महात्मा गांधी के सर्वोदय के विचार के केंद्र में भी सभी का उत्थान है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानववाद' और 'अंत्योदय' के सिद्धांत भी व्यक्ति के संपूर्ण विकास और वंचित वर्गों के उत्थान पर केंद्रित हैं। विकास के केंद्र में नागरिकों को रखने की यह परंपरा वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति 'सबका साथ, सबका विकास' में भी निहित है। वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनता केंद्रित शासन व्यवस्था का यह सोच सरकार की नीतियों और कार्यों में स्पष्ट दिखता है। इससे संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति को गति और शक्ति मिली है। संविधान में उल्लिखित नीति निदेशक तत्वों के अंतर्गत राज्य पर श्रमिकों के लिए मानवीय और न्यायपूर्ण परिस्थितियां सुनिश्चित करने का दायित्व है। इसी दिशा में केंद्र सरकार ने हाल में ही 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में पिरोया है। यह श्रमिकों के लिए बेहतर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। संविधान राज्य को निर्देश देता है कि वह आर्थिक असमानताओं को कम करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे।

इस उद्देश्य की पूर्ति तभी संभव है, जब समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा और रोजगार के समान अवसर उपलब्ध हों। पिछले कुछ वर्षों में लिए गए कई महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों के चलते आज अवसरों की यह समानता हर स्तर पर बढ़ी है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण स्टार्टअप इंडिया जैसी पहल है, जिसके हाल ही में दस वर्ष पूरे हुए हैं। इसके अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले नीतिगत सहयोग, आर्थिक मदद और मेंटरशिप के माध्यम से आज किसी भी व्यक्ति के लिए कोई उद्योग शुरू करना बहुत सुगम हुआ है। आर्थिक प्रगति तभी समावेशी बनती है, जब अवसरों की समानता हो। यह आय असमानता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पिछले 12 वर्षों में सभी आर्थिक नीतियां इसी विचार से प्रेरित रही हैं। इसी का परिणाम है कि आज भारत की आर्थिक प्रगति का लाभ प्रत्येक नागरिक तक समान रूप से पहुंच रहा है। विश्व बैंक के 'स्प्रिंग 2025 पावर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' के अनुसार भारत ने पिछले दशक में 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी की रेखा से बाहर निकाला है। सामाजिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों के साथ–साथ आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को भी आरक्षण का लाभ दिया गया है। केंद्र सरकार ने समावेशी विकास के साथ–साथ लोगों के लिए गरिमापूर्ण जीवन और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने पर भी निरंतर ध्यान केंद्रित किया है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 जैसे कानूनों के माध्यम से सामाजिक न्याय को और मजबूती मिली है। गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करने की इसी भावना का एक अच्छा उदाहरण स्वच्छ भारत मिशन भी है। जनकल्याण की यही भावना प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' और 'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' जैसी पहलों में भी साफ दिखती है। अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान किया था, तो वह केवल अर्थव्यवस्था के स्तर तक ही सीमित नहीं था, बल्कि नागरिकों के भीतर आत्मनिर्भरता की भावना बढ़ाने का भी प्रयास था। इसलिए मुद्रा योजना और स्किल इंडिया मिशन जैसी पहलों के माध्यम से नागरिकों को स्वावलंबी और उद्यमशील बनाने पर बल दिया गया है। इन योजनाओं के केंद्र में आत्मनिर्भर नागरिक बनाना है, जो आत्मनिर्भर भारत का आधार भी बन रहे हैं। इसी क्रम में आयुष्मान भारत योजना एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को बहुत लाभ हुआ है, जो संसाधनों के अभाव में अच्छी स्वास्थ्य सेवा से वंचित थे। इसी तरह जन–धन योजना ने बड़ी संख्या में नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर वित्तीय सुरक्षा प्रदान की है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रविधान किया गया है। इस अधिनियम में लोकतंत्र के तीनों सिद्धांत सशक्त अभिव्यक्ति पाते हैं, क्योंकि विधायी संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ने से संप्रभुता का सामाजिक आधार तो बढ़ेगा ही और नीति–निर्माण भी ज्यादा समावेशी होगा। लोकतांत्रिक सिद्धांतों के मूल में समाहित जन–कल्याण एक सतत दायित्व है, जिसे हर पीढ़ी को अपने समय में निभाना पड़ता है।

ओवर रेट के चलते लगा 12 लाख का जुर्माना

टीम की हार के साथ जेमिमा रोड्रिग्स को दोहरा झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के लिए गुजरात जाएंट्स के खिलाफ मुकाबला किसी बुरे सपने से कम नहीं रहा। एक तरफ टीम को तीन रनों से करीबी हार का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर मैच अधिकारियों ने ओवर रेट नियमों के उल्लंघन के चलते जेमिमा पर 12 लाख रुपये का भारी जुर्माना भी ठोक दिया। इस तरह दिल्ली की कप्तान को एक ही मैच में दोहरा झटका लगा है।

यह मुकाबला 27 जनवरी को खेला गया था, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स तय समय के भीतर अपने ओवरों का कोटा पूरा नहीं कर सकी। इसी को गंभीरता से लेते हुए डब्ल्यूपीएल अधिकारियों ने कार्रवाई की। मौजूदा सीजन में ओवर रेट को लेकर यह जेमिमा रोड्रिग्स का पहला अपराध था, इसी वजह से उन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। नियमों के अनुसार, कप्तान ही इस तरह की चूक के लिए जिम्मेदार मानी जाती है। मैच की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स ने पहले गेंदबाजी की थी। गुजरात जाएंट्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 174 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम ने अच्छी शुरुआत की और 19 ओवर में 166 रन बना लिए थे। आखिरी ओवर में जीत के लिए 9 रनों की जरूरत थी, लेकिन टीम सिर्फ 5 रन ही बना सकी और मुकाबला तीन रनों से हार गई। यह हार दिल्ली के लिए बेहद महंगी साबित हुई, क्योंकि इससे प्लेऑफ की राह भी कठिन हो गई है।

अब डब्ल्यूपीएल 2026 के लीग चरण में दिल्ली कैपिटल्स का एक आखिरी मुकाबला बचा है, जिसमें उनका सामना यूपी वॉरियर्स से होगा। प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए दिल्ली को यह मैच हर हाल में जीतना होगा। जीत की स्थिति में टीम के 8 अंक हो जाएंगे और वह सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। अगर दिल्ली को हार मिलती है, तो फिर गुजरात जाएंट्स और आरसीबी के नतीजों के साथ–साथ नेट रनरेट भी अहम भूमिका निभाएगा। ऐसे में जेमिमा रोड्रिग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए आखिरी मुकाबला किसी नॉकआउट से कम नहीं होगा।

50 साल पुराने अमेरिकी शो से प्रेरित है व्हील ऑफ फॉर्च्यून

अक्षय कुमार ने टीवी पर की नई शुरुआत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार एक बार फिर छोटे पर्दे पर अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। 'फीयर फैक्टर' और 'खतरों के खिलाड़ी' जैसे लोकप्रिय शोज़ के बाद अब अक्षय नए गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के साथ टीवी दर्शकों के सामने आए हैं। इस शो का प्रीमियर सोनी टीवी पर हुआ, जहां पहले ही एपिसोड में मनोरंजन, मस्ती और यादगार पलों की भरमार देखने को मिली। कम ही लोग जानते हैं कि 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है, बल्कि यह अमेरिका के करीब 50 साल पुराने सुपरहिट गेम शो से प्रेरित है। इस शो को पहली बार साल 1975 में अमेरिका में मर्व ग्रिफिन ने बनाया था। पजल और पहिया घुमाने के अनोखे

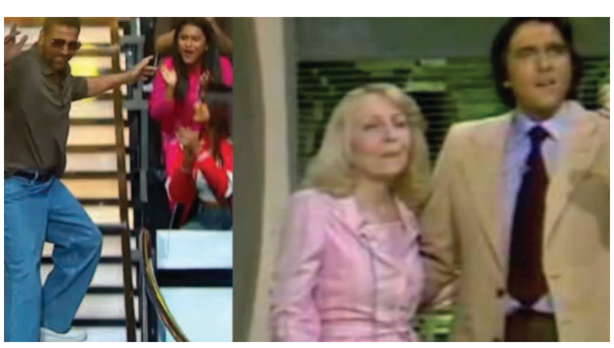

कॉन्सेप्ट पर आधारित यह शो उस दौर में बेहद लोकप्रिय हुआ। बाद में इसे 1983 में नए सिरे से शुरू किया गया और यह कई दशकों तक अमेरिकी टीवी का अहम हिस्सा बना रहा। 2024 तक यह शो अलग–अलग फॉर्मेट में दर्शकों का मनोरंजन करता रहा। अब इसी मशहूर शो को भारतीय दर्शकों के लिए नए अंदाज में पेश किया गया है, जिसकी मेजबानी अक्षय कुमार कर रहे हैं। शो के पहले एपिसोड में अक्षय कुमार ने टीवी और सिनेमा के फर्क पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि सिनेमा जहां कुछ घंटों के लिए दर्शकों को सपनों की दुनिया में ले जाता है, वहीं टेलीविजन रोज़ घर–घर पहुंचकर अपनापन पैदा करता है और लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन जाता है। अक्षय के इस बयान को दर्शकों ने काफी सराहा। पहले ही दिन शो में मस्ती का माहौल नजर आया। अभिनेता रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख शो में मेहमान बनकर पहुंचे, जहां अक्षय ने मजाकिया अंदाज में रितेश की जमकर टांग खिंचाई। उन्होंने हंसी–हंसी में कहा कि रितेश को अपना नाम बदलकर 'सॉरी देशमुख' रख लेना चाहिए। इसके अलावा करिश्मा कपूर भी शो में पहुंचीं, जिनके साथ अक्षय ने अपनी 1992 की फिल्म 'दीदार' की यादें ताजा कीं। दोनों ने फिल्म के मशहूर गाने पर डांस भी किया।

कुछ नए चेहरों को मौका देने की तैयारी

चौथे टी20 में टीम इंडिया की प्लेइंग ग्यारहवीं में बदलाव संभव

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टी20 सीरीज में टीम इंडिया पहले ही शुरुआती तीन मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी है। ऐसे में चौथे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले अब भारत के पास सिर्फ दो मुकाबले बचे हैं, जिन्हें टीम मैनेजमेंट प्रयोग के तौर पर देख रहा है।

अब तक सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है, लेकिन एक नाम ऐसा है, जिसने चिंता जरूर बढ़ाई है और वह हैं संजू सैमसन। संजू का बल्ला पहले तीन मैचों में खामोश रहा है और वे अब तक सिर्फ 16 रन ही बना सके हैं। न सिर्फ रन, बल्कि वे क्रीज पर टिकने में भी नाकाम रहे हैं। इसके बावजूद टीम इंडिया ने लगातार जीत दर्ज की, जो

टीम की गहराई और संतुलन को दर्शाता है।

सवाल यह है कि क्या संजू सैमसन को चौथे टी20 में प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जाएगा। मौजूदा हालात को देखते हुए इसकी संभावना कम ही नजर आती है। चूंकि सीरीज भारत पहले ही जीत चुका है, ऐसे में संजू को और मौके दिए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि उन्हें फॉर्म में लौटने के लिए बस एक बड़ी पारी की जरूरत है, जो विश्व कप से पहले टीम के लिए बेहद अहम साबित हो सकती है।

वहीं दूसरी ओर, कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। हार्दिक पांड्या को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत चौथे मैच में विश्राम दिया जा सकता है। उनकी जगह अक्षर पटेल को मौका मिलने की संभावना है, जो चोट से उबर चुके हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी आराम देकर युवा हर्षित राणा को आजमाया जा सकता है, ताकि बेंच स्ट्रेंथ को भी परखा जा सके।

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, रिंकू सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह शामिल हो सकते हैं। हालांकि अंतिम फैसला टॉस के समय कप्तान सूर्यकुमार यादव ही करेंगे, जिसका सभी को इंतजार रहेगा।

ओरी–सारा अली खान की दोस्ती टूटी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रामणि उर्फ ओरी और अभिनेत्री सारा अली खान की दोस्ती अब पूरी तरह टूट चुकी है। एक समय सोशल मीडिया पर दोनों की बॉन्डिंग खूब सुर्खियों में रहती थी, लेकिन अब यह रिश्ता सार्वजनिक विवाद में बदल गया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में ओरी ने इस पूरे मामले पर खुलकर बात की और सारा की मां अमृता सिंह को भी विवाद में घसीट लिया।

ओरी ने बताया कि उन्होंने सारा अली खान को अनफॉलो कर दिया है, जबकि इब्राहिम अली खान को वह पहले से ही फॉलो नहीं करते थे। ओरी का कहना है कि सारा के साथ दोस्ती निभाने का मतलब उस ट्रॉमा को नजरअंदाज करना है, जो उन्हें उनकी मां अमृता सिंह की वजह से मिला। हालांकि, उन्होंने इस कथित ट्रॉमा पर विस्तार से कुछ कहने से इनकार कर दिया। सारा के करियर पर किए गए अपने वायरल कमेंट को लेकर ओरी ने सफाई देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक मजाक था और इसमें कुछ गलत नहीं

विवाद में अमृता सिंह का भी आया नाम

था। उन्होंने यह भी कहा कि अगर अमृता सिंह उनसे माफी मांगती हैं, तो वह भविष्य में रिश्ते सुधारने के बारे में सोच सकते हैं।

वहीं, सारा अली खान ने इस विवाद पर कोई सीधा बयान नहीं दिया है। हालांकि, उनकी हालिया इंस्टाग्राम स्टोरी को फैंस ओरी को दिया गया एक इनडायरेक्ट जवाब मान रहे हैं। फिलहाल यह विवाद सोशल मीडिया और फिल्म इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बना हुआ है।

अरिजीत सिंह का देशभक्ति गीत 'मातृभूमि' बना करियर का आखिरी फिल्मी गाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत के लिए यह खबर बेहद भावुक करने वाली है। मशहूर गायक अरिजीत सिंह ने अपने प्लेबैक सिंगिंग करियर को अलविदा कहने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने यह जानकारी एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए साझा की, जिसमें उन्होंने वर्षों से मिल रहे दर्शकों के प्यार और समर्थन के लिए आभार जताया। अरिजीत ने साफ किया कि अब वह फिल्मों के लिए बतौर प्लेबैक सिंगर कोई नया गाना नहीं गाएंगे। इस घोषणा के बाद उनके प्रशंसकों में निराशा और भावुक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। प्लेबैक सिंगिंग से विदा लेते हुए अरिजीत सिंह का आखिरी फिल्मी गाना सलमान खान की अपकमिंग फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का देशभक्ति गीत 'मातृभूमि' बताया जा रहा है। यह गीत देश के शहीदों को समर्पित है और अरिजीत के करियर को एक गरिमामय विदाई देता है। उनकी भावनात्मक आवाज ने इस गीत को खास बना दिया है।

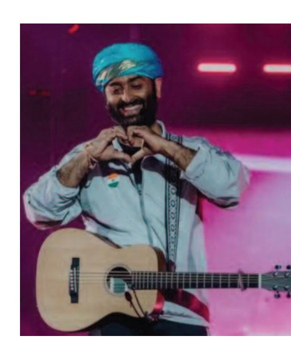

अरिजीत सिंह का जन्म 25 अप्रैल 1987 को पश्चिम बंगाल के जियागंज में हुआ। उन्होंने करियर की शुरुआत रियलिटी शो 'फेम गुरुकुल' से की, लेकिन 2013 में फिल्म 'आशिकी 2' के गीत 'तुम ही हो' ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इसके बाद 'चन्ना मेरेया', 'राब्ता', 'अगर तुम साथ हो' जैसे कई सुपरहिट गानों से उन्होंने संगीत प्रेमियों के दिलों पर राज किया। अपने करियर में अरिजीत सिंह ने अलग–अलग भाषाओं में 700 से ज्यादा गानों को आवाज दी और कई पुरस्कार अपने नाम किए।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन

सीएम योगी, अखिलेश और मायावती ने जताया शोक

यूनिक समय, लखनऊ। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एवं नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता अजित पवार का निजी विमान हादसे में निधन हो गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना बारामती के एयरपोर्ट पर तब हुई जब विमान उतरने के प्रयास में क्रैश हो गया। हादसे में उप मुख्यमंत्री अजित पवार के अलावा चार अन्य लोगों की भी मौत हो गई है। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई और माहौल गमगीन है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अजित पवार के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह अत्यंत हृदय विदारक और दुःखद घटना है। उन्होंने दिवंगत नेता को विनम्र श्रद्धांजलि देते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने प्रभु श्री राम से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति प्राप्त हो और परिवार को इस अतुलनीय दुःख को सहने की शक्ति मिले।

इस हादसे पर राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का सिलसिला भी जारी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स (ट्विटर) पर बयान जारी कर कहा कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और राजनीति के दिग्गज नेता पवार का असमय निधन अति-दुःखद है। उन्होंने पवार के परिवार और पार्टी के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और कुदरत से इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी अजित पवार के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा है कि यह हादसा राजनीतिक जगत के लिए एक बड़ा नुकसान है और उनके योगदान को

राजनीतिक जगत में शोक की लहर, भीड़ हुई मौजूद

हमेशा याद रखा जाएगा।

घटना स्थल पर मिले प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीम घटनास्थल पर मौजूद हैं और जांच जारी है कि दुर्घटना कैसे हुई। मृतकों की शिनाख्त और पोस्टमार्टम प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

पवार महाराष्ट्र के एक प्रभावशाली नेता रहे हैं, विशेषकर बारामती क्षेत्र में उनकी गहरी पकड़ और जनसमर्थन रहा है। उनके निधन से राज्य की राजनीति में शोक की लहर है और सभी राजनीतिक दलों में संवेदना व्यक्त की जा रही है।

राम जनम यादव बने बरेली के नए सिटी मजिस्ट्रेट

यूनिक समय, बरेली। उत्तर प्रदेश सरकार ने बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री के निलंबन के बाद प्रशासनिक व्यवस्था में बदलाव करते हुए एसडीएम सदर राम जनम यादव को नया सिटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया है। आदेश जारी होते ही राम जनम यादव ने पदभार संभाल लिया और कामकाज शुरू कर दिया है।

राम जनम यादव उत्तर प्रदेश कैडर के 2020 बैच के पीसीएस अधिकारी हैं। वे मूल रूप से सिद्धार्थनगर जिले के निवासी हैं और उन्होंने गणित में एमएससी की डिग्री प्राप्त की है। प्रशासनिक सेवा में आने के बाद उन्होंने कई जिलों में अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। जून 2021 में पदोन्नति के बाद उन्हें एसडीएम के रूप में पहली तैनाती प्रतापगढ़ में मिली थी। इससे पहले वे बस्ती और गाजियाबाद में नायब तहसीलदार तथा अयोध्या में तहसीलदार के पद पर कार्य कर चुके हैं।

अलंकार अग्निहोत्री के निलंबन के बाद शासन ने सौंपी अतिरिक्त जिम्मेदारी

इसके बाद वे करीब तीन वर्षों तक चित्रकूट में एसडीएम रहे। वर्ष 2024 से बरेली में एसडीएम के पद पर तैनात राम जनम यादव को अब सिटी मजिस्ट्रेट का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

विधायक लिखी फॉर्च्यूनर की टक्कर से युवक की मौत, दो गंभीर

यूनिक समय, ललितपुर। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले के जाखलौन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरखेड़ा में सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। विधायक लिखी तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने बाइक सवार तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में 18 वर्षीय युवक की मौके पर ही हालत गंभीर हो गई, जबकि दो अन्य युवक बुरी तरह घायल हो गए। तीनों युवक सुंदरकांड कार्यक्रम में शामिल होकर वापस अपने गांव लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल जिला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। वहां से डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इलाज के लिए

ललितपुर के जाखलौन क्षेत्र में देर रात हुआ हादसा

ले जाते समय एक युवक की रास्ते में ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि हादसे में शामिल फॉर्च्यूनर कार राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ उर्फ मन्नू कोरी की बताई जा रही है और वाहन उनका बेटा चला रहा था। पुलिस का कहना है कि कार मंत्री की पत्नी के नाम पंजीकृत है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रशासन से माफी न मिलने पर लिया वापसी का फैसला

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने खत्म किया धरना

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में मौनी अमावस्या के पावन स्नान से रोके जाने के विवाद के बाद शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने धरना समाप्त कर प्रयाग से लौटने का निर्णय लिया है। बीते दस दिनों से वह इस घटना के विरोध में धरने पर बैठे थे। शंकराचार्य ने कहा कि प्रशासन की ओर से अब तक सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगी गई, जिससे उनका मन अत्यंत व्यथित है।

उन्होंने कहा, "आज स्वर बोझिल हैं और शब्द साथ नहीं दे रहे। भारी मन से प्रयाग छोड़ना पड़ रहा है। यहां जो घटित हुआ, उसने भीतर तक झकझोर दिया। बिना स्नान किए लौटना मेरे लिए बेहद पीड़ादायक है, लेकिन आत्मसम्मान से समझौता स्वीकार नहीं।" शंकराचार्य ने साफ किया कि वे अन्याय को अस्वीकार करते हैं और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अनुसार, आज सुबह प्रशासन की ओर से उन्हें एक प्रस्ताव भेजा गया था। इसमें कहा गया था कि जब भी वे चाहें, उन्हें पूरे सम्मान के साथ पालकी में स्नान के लिए ले जाया जाएगा। मौके पर अधिकारी स्वागत करेंगे और पुष्प वर्षा भी की जाएगी। हालांकि, शंकराचार्य ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में क्षमा याचना का कोई उल्लेख नहीं था, जबकि उनके अनुसार मूल मुद्दा यही है। शंकराचार्य का कहना है कि संतों, संन्यासियों और बटुकों के साथ जिस प्रकार का व्यवहार हुआ, उसके लिए प्रशासन को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। बिना माफी के किसी भी सम्मानजनक प्रस्ताव का कोई अर्थ नहीं है। शंकराचार्य ने बताया कि जब उन्होंने प्रयाग छोड़ने का निर्णय लिया, उसके बाद ही प्रशासन की ओर से प्रस्ताव आया। फिलहाल वह न्याय की उम्मीद के साथ प्रयाग से विदा ले रहे हैं। यह मामला धार्मिक और प्रशासनिक हलकों में लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।

इस्तीफे के बाद घिरे डिप्टी जीएसटी कमिश्नर

फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र से नौकरी पाने का आरोप

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या में डिप्टी जीएसटी कमिश्नर पद से इस्तीफा देने वाले प्रशांत कुमार सिंह अब एक नए विवाद में घिरते नजर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में इस्तीफा देने के बाद उनके खिलाफ गंभीर आरोप सामने आए हैं। यह आरोप किसी और ने नहीं, बल्कि उनके सगे बड़े भाई डॉ. विश्वजीत सिंह ने लगाए हैं। आरोप है कि प्रशांत कुमार सिंह ने फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल की।

इस संबंध में सीएमओ मऊकी ओर से डीजी हेल्थ को लिखा गया एक पत्र सामने आया है। पत्र में उल्लेख है कि शिकायत प्राप्त हुई है, जिसमें कहा गया है कि अयोध्या के डिप्टी जीएसटी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने दिव्यांग कोटे के तहत नौकरी पाने के लिए कथित रूप से फर्जी प्रमाणपत्र का इस्तेमाल किया। यह शिकायत उनके बड़े भाई डॉ. विश्वजीत सिंह द्वारा की गई है।

पत्र में यह भी कहा गया है कि मामले की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होने के लिए प्रशांत कुमार सिंह को कई बार बुलाया गया, लेकिन वे अब तक उपस्थित नहीं हुए हैं। इस कारण संदेह और गहराता जा रहा है। प्रशासनिक स्तर पर इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया जा रहा

मेडिकल बोर्ड के सामने पेश न होने का दावा

है।

गौरतलब है कि हाल ही में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से जुड़े विवाद और सरकार के रुख को लेकर प्रदेश में प्रशासनिक हलचल तेज हुई थी। इसी क्रम में पहले बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा दिया था, जिसके बाद अयोध्या के डिप्टी जीएसटी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री योगी के समर्थन में पद छोड़ने का ऐलान किया।

हालांकि, इस्तीफे के तुरंत बाद लगे इन आरोपों ने पूरे मामले को नया मोड़ दे दिया है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि जांच में क्या सामने आता है और प्रशासन इस पर आगे क्या कार्रवाई करता है।

धोती-कुर्ते में क्रिकेट और संस्कृत में कमेंट्री

यूनिक समय, वाराणसी। धर्म और संस्कृति की नगरी काशी से खेल जगत की एक अनोखी और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। वाराणसी के रामापुरा स्थित जयनारायण इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित 'संस्कृत बटुक क्रिकेट प्रतियोगिता' ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इस मुकाबले की खासियत यह रही कि खिलाड़ी आधुनिक जर्सी में नहीं, बल्कि पारंपरिक धोती-कुर्ता पहनकर मैदान में उतरे और पूरे मैच की कमेंट्री शुद्ध संस्कृत भाषा में की गई।

यह प्रतियोगिता शास्त्रार्थ महाविद्यालय के 82वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित की गई थी। इसमें वेदपाठी बटुकों ने क्रिकेट जैसे आधुनिक खेल को भारतीय परंपरा और संस्कृत भाषा के साथ जोड़ते हुए एक नया उदाहरण पेश किया। मैदान में जब संस्कृत में कमेंट्री गूंजी—"एकः तेजस्वी पुलशॉट्, कन्दुकं आकाश मार्गेन गच्छन, सीमारेखातः बहिर्गमन, षड् धावनांका लब्धा"—तो दर्शक रोमांचित हो उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से माहौल गूंज उठा।

काशी में दिखा खेल और संस्कृति का अनोखा संगम

प्रधानमंत्री मोदी भी कर चुके हैं प्रशंसा

टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में स्वामी वेदांती वेद विद्यापीठ की टीम ने इंटरनेशनल चंद्रमौली ट्रस्ट को आठ विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों के अनुशासन, खेल भावना और पारंपरिक वेशभूषा ने प्रतियोगिता को और भी खास बना दिया।

इस अनोखे मैच का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में संस्कृत में की गई क्रिकेट कमेंट्री की तारीफ कर चुके हैं। यह आयोजन न सिर्फ खेल प्रेमियों के लिए खास रहा, बल्कि यह संदेश भी देता है कि भारतीय परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ आगे बढ़ सकती हैं।

सार संक्षेप

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर, 35 लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के कई राज्यों में बर्फीले तूफान और कड़ाके की ठंड ने भारी तबाही मचाई है। अब तक कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है। टेक्सास में जमे तालाब की बर्फ टूटने से तीन मासूम भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई। न्यूयॉर्क समेत कई राज्यों में हाइपोथर्मिया और हादसों से जानें गई हैं। मौसम विभाग ने हालात और बिगड़ने की चेतावनी दी है।

विधायक टी राजा सिंह को धमकी भरा पत्र, बोले—नहीं डरें

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना की गोशामहल सीट से विधायक टी राजा सिंह को धमकी भरा पत्र मिलने का मामला सामने आया है। यह पत्र रविवार शाम हैदराबाद स्थित उनके आवास पर मिला। पत्र भेजने वाले ने खुद को अब्दुल हफीज बताते हुए धमकी दी और दावा किया कि पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राजा सिंह ने कहा कि वह और उनका परिवार इस तरह के कॉल या पत्रों से डरने वाले नहीं हैं।

चार साल में सबसे कमजोर डॉलर, फिर भी ट्रंप बेफिक्र

यूनिक समय, नई दिल्ली। विदेशी मुद्रा बाजार में अमेरिकी डॉलर चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है। डॉलर की इस कमजोरी के चलते भारतीय रुपया भी दबाव में है और करीब 92 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक फिसल चुका है। हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी गिरावट के बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप डॉलर को संभालने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं। विशेषज्ञ इसे ट्रंप की रणनीतिक चुप्पी मान रहे हैं।

तीन साल का रिकॉर्ड टूटा, जनवरी में सबसे ज्यादा बारिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली में जनवरी माह में बीते तीन वर्षों का बारिश रिकॉर्ड टूट गया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस महीने अब तक 21.01 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। इससे पहले 2023 में 20.4 मिमी, 2024 में ट्रेस और 2025 में 8.3 मिमी बारिश हुई थी। हालांकि, महीने के अंत तक और बारिश की संभावना कम है, लेकिन तापमान गिरने से ठंड बढ़ सकती है।

झारखंड नगर पालिका चुनावों की तारीखें घोषित

यूनिक समय, नई दिल्ली। झारखंड में नगर पालिका चुनावों का ऐलान कर दिया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग के अनुसार सभी नगर पालिकाओं में 23 फरवरी को मतदान होगा और 27 फरवरी को मतगणना की जाएगी। नामांकन 29 जनवरी से 4 फरवरी तक भरे जाएंगे, जबकि नाम वापसी की अंतिम तिथि 6 फरवरी है। चुनाव की घोषणा के साथ ही राज्यभर में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है।

यूक्रेन में यात्रियों से भरी ट्रेन पर रूसी हमला

12 की मौत, जेलेंस्की ने बताया आतंकवादी कृत्य

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। रूसी सेना ने एक बार फिर यूक्रेन के कई शहरों पर ड्रोन और मिसाइल से ताबड़तोड़ हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल बताए जा रहे हैं। सबसे गंभीर घटना में रूस ने यात्रियों से भरी एक पैसेंजर ट्रेन को निशाना बनाया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ट्रेन पर हुए हमले का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किया। उन्होंने कहा कि खारकीव क्षेत्र में ड्रोन से की गई यह कार्रवाई किसी भी हालत में सैन्य हमला नहीं कही जा सकती। जेलेंस्की के मुताबिक, ट्रेन में 200 से अधिक यात्री सवार थे और जिस डिब्बे को निशाना बनाया गया, उसमें 18 नागरिक मौजूद थे। उन्होंने इसे साफ तौर पर आतंकवादी कृत्य बताया। रूस ने दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा शहर पर भी बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेग किपर के अनुसार, यहां 50 से अधिक ड्रोन दागे गए, जिसमें तीन लोगों की मौत और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। घायलों में एक 39 हफ्ते की गर्भवती महिला और दो बच्चियां भी शामिल हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू के अभिभाषण से संसद के बजट सत्र की शुरुआत

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 2026 आज से औपचारिक रूप से शुरू हो गया। सत्र का आगाज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ ही केंद्र सरकार के आगामी एजेंडे और नीतिगत प्राथमिकताओं के संकेत भी मिले। इस सत्र के दौरान 1 फरवरी 2026 को देश का केंद्रीय बजट पेश किया जाएगा, जिस पर पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं।

बजट सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की मांग उठाई। विपक्ष ने विशेष रूप से 'विकसित भारत' से जुड़े कानूनों, मतदाता सूची की जांच, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और कुछ समसामयिक राष्ट्रीय मुद्दों पर संसद में बहस कराने की मांग रखी। हालांकि, सरकार की ओर से इन मांगों को फिलहाल स्वीकार नहीं किया गया है, जिससे आने वाले दिनों में संसद के भीतर तीखी बहस और हंगामे के संकेत मिल रहे हैं।

सरकार का कहना है कि बजट सत्र का मुख्य उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए आर्थिक दिशा तय करना है। वहीं विपक्ष का आरोप है कि सरकार संवेदनशील और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा से बच रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि बजट सत्र के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। कुल मिलाकर, राष्ट्रपति के

सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की मांग उठाई

अभिभाषण के साथ शुरू हुआ बजट सत्र राजनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है, जहां एक ओर आर्थिक नीतियों पर चर्चा होगी, वहीं दूसरी ओर विपक्ष सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की तैयारी में नजर आ रहा है।

द्वारका कोर्ट और गुरुग्राम के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका कोर्ट में बुधवार सुबह बम रखे होने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। यह धमकी ई–मेल के जरिए दी गई, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गया। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, साइबर सेल, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे और पूरे कोर्ट परिसर की सघन तलाशी ली गई। फिलहाल जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन धमकी भरे मेल की तकनीकी जांच जारी है।

इसी तरह गुरुग्राम में भी बुधवार सुबह 13 निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ई–मेल मिले। यह

टीमों ने स्कूल परिसरों में सर्च ऑपरेशन चलाया

ई–मेल उस समय आए, जब बच्चे स्कूल पहुंच रहे थे या कक्षाओं में मौजूद थे। एहतियातन स्कूल प्रबंधन ने तुरंत छुट्टी घोषित कर दी और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस, बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और एसडीआरएफ की टीमों ने स्कूल परिसरों में सर्च ऑपरेशन चलाया। कक्षाओं, शौचालयों, मैदानों और आसपास के इलाकों की गहन जांच की गई, लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

ट्रंप का बड़ा बयान, एक और अमेरिकी जंगी बेड़ा रवाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि एक और अमेरिकी जंगी बेड़ा ईरान की ओर बढ़ रहा है। पहले से ही अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर अब्राहम लिंकन ईरान के नजदीक तैनात है। ट्रंप के इस बयान से पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव और गहरा गया है। ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान जल्द ही किसी समझौते पर पहुंचेगा, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है। ट्रंप के इस कदम का रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि राष्ट्रपति का रुख सही है और ईरान में प्रदर्शन कर रहे लोग अमेरिका के संभावित मित्र हो सकते हैं, जबकि अयातुल्ला शासन कभी दोस्त नहीं बनेगा।

हादसे पर उमर और ममता की प्रतिक्रिया, जांच की उठी मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर से देशभर के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। इस घटना के बाद जम्मू–कश्मीर और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्रियों ने गंभीर चिंता जताते हुए जांच की मांग की है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह इस दुखद खबर से स्तब्ध हैं। उन्होंने इसे देश के लिए बेहद चिंताजनक बताते हुए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। ममता बनर्जी ने कहा कि यदि सामने आई जानकारियां सही हैं,

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग

तो यह राजनीतिक नेतृत्व की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती हैं। वहीं जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि ऐसी घटनाओं की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की त्रासदियों को रोका जा सके। दोनों नेताओं ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

असम: ब्रह्मपुत्र में नाव हादसा 22 यात्री डूबे, 6 अब भी लापता

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के बारपेटा जिले में ब्रह्मपुत्र नदी में मंगलवार को एक भयंकर नाव हादसा हुआ। 22 लोगों को लेकर जा रही मशीन चालित नाव कथित तौर पर नदी में बने भंवर की चपेट में आकर डूब गई। इस हादसे में 4 बच्चों समेत 6 लोग अब भी लापता हैं, जबकि बाकी यात्रियों को पास से गुजर रही दूसरी नाव द्वारा सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह नाव रहमपुर से बोरघुल चर जा रही थी। चर इलाके ब्रह्मपुत्र नदी में बनने वाले अस्थायी रेतीले द्वीप होते हैं, जहां स्थानीय लोग रोजमर्रा की आवाजाही और परिवहन के लिए नावों पर निर्भर रहते हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन ने स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला कि नाव पर किसी भी यात्री ने लाइफ जैकेट नहीं पहनी थी, जिससे हादसे की गंभीरता बढ़ गई। अधिकारी बताते

हैं कि नाव के डूबने के समय यात्रियों में डर और अफरा–तफरी का माहौल था, लेकिन स्थानीय लोगों ने तुरंत मदद करते हुए कई लोगों को बचाया। लापता लोगों की पहचान इस प्रकार हुई है: मधु मिया (60 वर्ष), सुकुर्जन नेसा (45 वर्ष), अमीना परबीन (8 वर्ष), राहुल अमीन (7 वर्ष), आर्यन इस्लाम (4 वर्ष) और जुनुफा यास्मीन (5 वर्ष)। वहीं, नाव चालक भी घायल है और उसका इलाज अस्पताल में जारी है। प्रशासन ने बताया कि नाव चालक से पूछताछ के बाद ही हादसे के सटीक कारणों का पता चल सकेगा। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और यातायात विभाग से अपील की है कि नदी पार करते समय सुरक्षा उपायों का पालन करें और लाइफ जैकेट पहनें, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके। इस दुखद हादसे ने बारपेटा और आसपास के क्षेत्रों में गहरा शोक फैलाया है और बचाव व जांच अभियान पूरी तत्परता के साथ जारी है।

भारत टॉप 10 में कायम, पाकिस्तान टॉप 10 से बाहर: ऑपरेशन सिंदूर का असर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया की शीर्ष सैन्य शक्तियों की रैंकिंग में भारत का जलवा बरकरार है। ग्लोबल फायरपावर मिलिट्री इंडेक्स 2026 के अनुसार भारत चौथे स्थान पर बना हुआ है, जबकि पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर के बाद टॉप 10 देशों की सूची से बाहर हो गया है। इस इंडेक्स में 145 देशों की सैन्य शक्ति का मूल्यांकन 60 से अधिक संकेतकों के आधार पर किया गया और प्रत्येक देश के पावर इंडेक्स स्कोर को दर्शाया गया है।

अमेरिका अभी भी पहले स्थान पर है, रूस दूसरा और चीन तीसरे स्थान पर है। दक्षिण कोरिया पांचवें, फ्रांस छठे, जापान सातवें, यूनाइटेड किंगडम आठवें, तुर्की नौवें और इटली दसवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान लगातार पिछड़ता रहा है, जो 2024 में 9वें स्थान पर था, 2025 में 12वें और 2026 में 14वें स्थान पर खिसक गया। इसके विपरीत, जर्मनी ने उल्लेखनीय सुधार करते हुए 2024 में 19वें स्थान से 2026 में 12वें स्थान

ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की सैन्य क्षमता पर भारी प्रभाव डाला

पर अपनी स्थिति मजबूत की। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया और पाकिस्तान के जवाबी हमलों को पलटवार करते हुए 11 एयरबेस और 6 रडार सिस्टम को ध्वस्त किया। भारतीय सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान घबरा गया और उसने सीजफायर की पहल की। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की सैन्य क्षमता पर भारी प्रभाव डाला, जिससे उसकी रैंकिंग में गिरावट आई। भारत ने अपने आधुनिक हथियार और रणनीति से वैश्विक स्तर पर अपनी सैन्य ताकत को प्रदर्शित किया और शीर्ष 10 देशों में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी। भारत की इस उपलब्धि से न सिर्फ उसकी सैन्य शक्ति का प्रमाण मिलता है, बल्कि दक्षिण एशिया में उसका सुरक्षा और सामरिक प्रभाव भी बढ़ता है।

हनी ट्रैप में फंसाकर 50 लाख मांगने वाली महिला गिरफ्तार

उसके पास से इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन बरामद

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने एक महिला को हनी ट्रैप में फंसाकर एक व्यक्ति से पचास लाख रुपये की मांग करने और उसे बंधक बनाकर मारपीट करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके पास से ब्लैक मैल करने में प्रयोग किए जाने वाला मोबाइल फोन बरामद किया है। कोतवाली में गांव पड़ेरा फरीदपुर बरेली निवासी ने रिपोर्ट कराई कि उसे हनी ट्रैप में फंसाकर उसे झूठे बलात्कार के केस में फंसाने की धमकी देकर पचास लाख रुपये की मांग करने और गाली गलौच करते हुए मारपीट करने और जानसे मारने की धमकी देने के मामले में दो महिलाओं सहित पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पुराने बस अड्डे के समीप अमर होटल से एक महिला अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से हनी ट्रैप में इस्तेमाल किया गया। मोबाइल फोन भी बरामद किया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्रा, उप निरीक्षक मांगे राम, उप निरीक्षक कंचन यादव और पुलिस टीम है।

हाईवे पर स्टंट करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे पर झंडे वाली विधायक लिखी कारों से स्टंट करने वाले अब पुलिस की रडार पर आ गए। घटना उस समय की है जब सीएम योगी के आने पर जब मथुरा पुलिस हाई अलर्ट पर थी। हाईवे पर कुछ रसूखदार युवा विधायक लिखी कारों से जानलेवा स्टंट कर रहे थे। कहते हैं कि कानून की नजर में सब बराबर हैं, लेकिन मथुरा से आई ये तस्वीरें कुछ और ही कहानी बयां कर रही हैं। ये तस्वीरें किसी फिल्म की शूटिंग नहीं, बल्कि मथुरा के नेशनल हाईवे की हकीकत हैं। सत्ता के नशे और रफ्तार के जुनून में डूबे इन युवाओं को न तो अपनी जान की परवाह है, और न ही कानून का खौफ। इन गाड़ियों को बीजेपी के लहराते झंडे और गाड़ियों पर मोटे अक्षरों में लिखा 'विधायक' शब्द।
वीडियो वायरल होने के बाद मामला गरमाया तो एसपी ट्रैफिक मनोज यादव ने संज्ञान लिया और स्टंटबाजों की पहचान के लिए पुलिस की टीमें लगा दी। एसपी ट्रैफिक मनोज यादव ने बताया कि स्टंटबाजी का वीडियो संज्ञान में आया है। हाईवे थाना इंस्पेक्टर को निर्देशित किया है कि वाहनों के नंबरों के आधार पर इनकी पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करें।

पैसा हो जेब में तो हर नशा है यहां मौजूद

कोसीकलां की भांतू कॉलोनी बनी मादक पदार्थों का अड्डा

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां थाने की भांतू कॉलोनी आजकल मादक पदार्थों की बिक्री का गढ़ बन रहा है। थाने के पीछे होने के बावजूद यहां जमकर मादक पदार्थों की खरीद फरोख्त का धंधा खूब फल फूल रहा है। यह बात दीगर है कि पुलिस यदा कदा कुछ लोगों को गिरफ्तार कर लेती है। कोसीकलां की भातू कॉलोनी नशे का गढ़ बन चुकी है। यहां शराब से लेकर हर तरह का नशा मिलता है। आपके पास पैसा होना चाहिए। कॉलोनी में हरियाणा से लाई गई अंग्रेजी और देशी शराब खुले आम मिल रही है। इसके साथ उड़ीसा से लाया गया गांजा भी यहां आपको आसानी से मिल जाएगा। इसके साथ ही स्मेक आदि की भी यहां आसानी से मिल सकती है। यहां के अधिकांश लोग नशीले पदार्थों की खरीद फरोख्त से जुड़े हैं। पुलिस थाने के पीछे होने के बावजूद पुलिस को यहां होने वाली अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री का पता किस कारण नहीं होता यह एक गंभीर सवाल है। कुछ समय पूर्व सीओ छाता ने यहां बिना किसी सूचना के छापा मारा था। इसके बावजूद छापा मार कार्रवाई से पहले ही नशे का कारोबार करने वालों को इसका पता लग गया। पुलिस द्वारा मारे गए छापे से पहले ही नशीले पदार्थों को वहां से हटा दिया गया। पुलिस के पास तो यहां की सूचना उस समय मिलती है जब इस अवैध धंधे से जुड़े लोगों के बीच विवाद हो जाता है।

31 जनवरी को होगा मानचित्र समाधान दिवस

यूनिक समय, मथुरा। ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम (ओबीपीएएस) के माध्यम से मानचित्रों की स्वीकृति में आ रही समस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा "मानचित्र समाधान दिवस" का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 31 जनवरी 2026 को दोपहर 12 बजे राजकीय संग्रहालय स्थित मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण कार्यालय के सभागार में आयोजित होगा। प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि वर्तमान में मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया ऑनलाइन ओबीपीएएस प्रणाली के माध्यम से की जा रही है।
इस दौरान तकनीकी या अन्य कारणों से मानचित्रों की स्वीकृति में उत्पन्न हो रही समस्याओं का समाधान एक ही स्थान पर "मानचित्र समाधान दिवस" के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने नागरिकों, अभियंताओं एवं मानचित्र प्रस्तुतकर्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर मानचित्र स्वीकृति से संबंधित अपनी समस्याओं का त्वरित निराकरण कराएं।

नौहझील ब्लॉक प्रमुख चुनाव को लेकर न्यायालय ने रिट की खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायालय नौहझील की ब्लॉक प्रमुख चुनाव को लेकर दायर की गई याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत के इस आदेश को ब्लॉक प्रमुख सुमन चौधरी ने कहा कि न्यायपालिका ने षड्यंत्र कारियों को बेनकाब कर दिया है। बताते चलें कि 2021 में संपन्न हुए ब्लॉक प्रमुख चुनाव में सुमन चौधरी और योगेश कुमार के मध्य मुकाबला हुआ था, जिसमें सुमन चौधरी विजयी घोषित हुई थीं। उस परिणाम को चुनौती देते हुए योगेश कुमार ने जिला सत्र एवं न्यायालय में रिट दाखिल की। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें सत्ता के दम पर हराया गया है। अब तक यह केस न्यायालय में चल रहा था। बुधवार को न्यायालय ने उस रिट को ही खारिज कर दिया है। न्यायालय के निर्णय से ब्लॉक प्रमुख सुमन चौधरी और उनके समर्थकों में जश्न का माहौल है।
निर्णय के उपरांत ब्लॉक प्रमुख सुमन चौधरी ने पूर्व विधायक को प्रमुख षंड्यत्रकारी बताते हुए अदालत के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस कानूनी लड़ाई में अधिवक्ता मनवीर सिंह, शैलेंद्र सिंह, कुमर पाल ने पूरा सहयोग किया।

चामुंडा कॉलोनी में 28 लाख से बनेगी आरसीसी सड़क

चामुंडा कॉलोनी में आरसीसी सड़क निर्माण का शुभारंभ करते पार्षद राकेश भाटिया।

पार्षद ने किया शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। वार्ड 36 जयसिंहपुरा की चामुंडा कॉलोनी में करीब 28 लाख रुपये की लागत से बनने वाली आरसीसी सड़क का शुभारंभ पार्षद एवं कैबिनेट सदस्य राकेश भाटिया ने विधि-विधान से नारियल फोड़कर किया। सड़क निर्माण में आ रहे अतिक्रमण को जेसीबी की मदद से हटवाकर सड़क का चौड़ीकरण कराया गया। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने पार्षद का पटुका और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। लोगों ने कहा कि पार्षद ने क्षेत्रवासियों से किया गया अपना वादा पूरा कर दिया है, जिससे कॉलोनीवासियों में खुशी का माहौल है। पार्षद राकेश भाटिया ने बताया कि सड़क के दोनों ओर नालियों का निर्माण किया जाएगा तथा बीच में मजबूत आरसीसी सड़क बनाई जाएगी।
इससे आवागमन सुगम होगा और जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी। इस मौके पर भाजपा नेता ब्रजबिहारी जादौन, पूर्व सभासद सत्येंद्र शर्मा सहित अनेक स्थानीय लोग मौजूद रहे।

अवैध अंग्रेजी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़, चार आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, आगरा। आगरा जिले में पुलिस ने अंग्रेजी शराब की एक अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर बड़ा खुलासा किया है। कागारौल थाना क्षेत्र के अकोला गांव में एक मकान के भीतर नकली अंग्रेजी शराब तैयार की जा रही थी। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि भारी मात्रा में शराब बनाने का सामान भी बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह अवैध फैक्ट्री महज छह दिन पहले ही स्थापित की गई थी। अछनेरा निवासी नरेश ने अपने भाई, साले और दोस्त धर्मवीर (निवासी पलवल, हरियाणा) के साथ मिलकर इस फैक्ट्री को शुरू किया था। फैक्ट्री सत्यवीर के घर में चलाई जा रही थी, जहां स्प्रिट में केमिकल और पानी मिलाकर अंग्रेजी शराब तैयार की जाती थी। शराब को बोतलों में भरने और साफ पानी का दिखावा करने के लिए घर में आरओ प्लांट तक लगवाया गया था। आरोपियों ने शराब की सप्लाई के लिए नेटवर्क भी तैयार कर रखा था। मुख्य आरोपी सत्यप्रकाश ने अपने दोनों बेटों को ग्राहक तलाशने के लिए मध्यप्रदेश और बिहार भेज रखा था, ताकि बड़े स्तर पर नकली शराब की बिक्री की जा सके। पुलिस के पहुंचते ही आरोपियों ने सबूत मिटाने की कोशिश करते हुए स्प्रिट से भरे ड्रम में आग लगा दी, लेकिन पुलिस ने स्थिति पर काबू पा लिया। मौके से 74 पेटी नकली अंग्रेजी शराब, 50 लीटर स्प्रिट, 89 खाली बोतलें, ढक्कनों से भरी एक बोरी और एक कार बरामद की गई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। थाना मांट क्षेत्र के बेगमपुर खादर स्थित चंद्रसखी मोहल्ले के पास खाता संख्या 170 की ग्राम समाज की सरकारी भूमि पर कथित भूमाफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। बुधवार को ग्रामीणों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासनिक अधिकारियों से मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त सरकारी भूमि पर एक प्राचीन शिव मंदिर स्थित है, जहां क्षेत्रीय लोग नियमित रूप से पूजा-अर्चना करते रहे हैं। इसके साथ ही इस स्थान का उपयोग सामूहिक सामाजिक कार्यों के लिए भी किया जाता रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि युवक ने मंदिर व भूमि पर अवैध रूप से ताला जड़ दिया है।

सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के विरोध में प्रदर्शन करते ग्रामीण।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि उक्त व्यक्ति राजस्व कर्मियों से सांठगांठ कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी भूमि पर बाउंड्री वॉल निर्माण कर कब्जा करने की फिराक में है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में कई बार लिखित शिकायत मांट तहसील में की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हैं। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि आरोपी पूर्व में भी इस भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर चुका है, जिस पर उसके खिलाफ कई आपराधिक मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस संबंध में स्थानीय युवक बलवीर निषाद ने बताया कि उन्होंने लिखित रूप से मांट उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को भी शिकायत दी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए उन्हें मजबूरन सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान सुखदेव, खेमचंद, सत्यबीर, कमल सिंह, विवेक, सुजीत, बबलू, दीपक, मनोज, केदारी, पदमानंद, पीतम, देशराज, कौशल, सीमा, भूरा, चेतराम, तुलसी निषाद सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

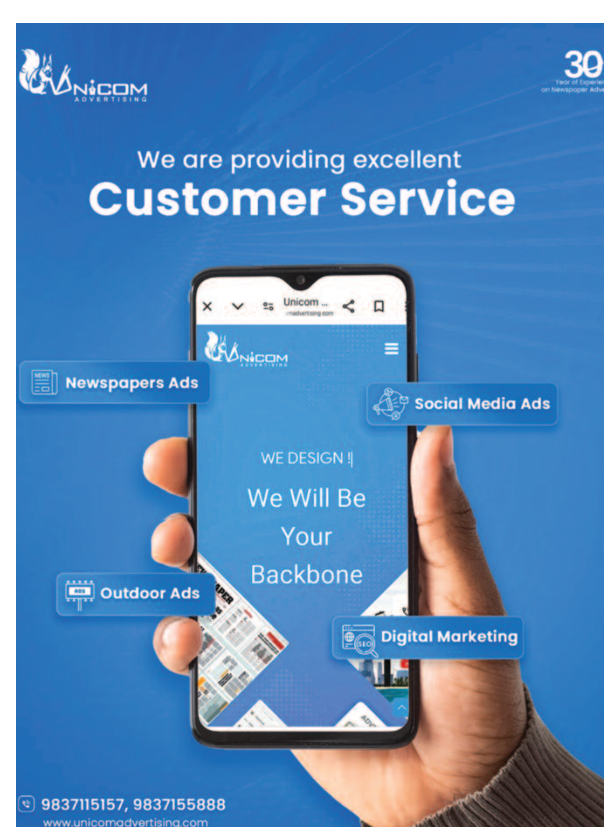

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक-पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053